www.tamsasanket.com
वर्ष: 29 || अंक 153 || अम्बेडकरनगर
सोमवार
24 अगस्त 2026 || पृष्ठ: 08 || मूल्य: ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित

मौसम
सूर्योदय: 05:42
सूर्यास्त: 06:36
अधिकतम: 33°00
न्यूनतम: 28°00

पेज 07

विशेष समाचार | दिमागी नक्सली की बहस ... >> पेज 04 | सांसद इमरान मसूद की बेटी... >> पेज 06 | फिल्म 'टॉक्सिक' के इवेंट ...

रक्षाबंधन से पहले मुख्यमंत्री ने 3.54 लाख 'रसोइया बहनों' को दिए बड़े उपहार

रसोइयों का 5 लाख तक होगा फ्री इलाज

ऐलान

हेमन्त कृष्ण

तमसा संकेत, लखनऊ । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भाई का दायित्व निभाते हुए रक्षाबंधन से पहले ही 3.54 लाख रसोइया बहनों को चार बड़े उपहार दिए। रविवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में सीएम ने इसकी घोषणा की। उन्होंने कहा कि रसोइया माताओं-बहनों को अब 2 के बजाय 3 हजार मानदेय मिलेगा, घटना-दुर्घटना होने पर रसोइयों व परिवार को भारतीय स्टेट बैंक के माध्यम से दो लाख रुपये की सहायता और प्रतिवर्ष पांच लाख रुपये तक मुफ्त कैशलेस सुविधा मिलेगी। इसके अलावा परिधान के लिए मिलने वाली राशि भी दोगुनी यानी, 500 रुपये से बढ़ाकर 1000 रुपये कर दी गई है। सीएम ने कहा कि यह काम पहले इसलिए नहीं होता था, क्योंकि गरीब कभी सपा के एजेंडे में नहीं था। उन्होंने सपा मुखिया अखिलेश यादव के बयान पर चुटकी लेते हुए कहा कि बबुआ ने बयान दिया है कि परिवार के सभी लोग सांसद हैं, इसलिए सपा-सपा बनी हुई है।

>> (06 पर)

साड़ी के लिए 1000 मिलेगा मानदेय भी एक हजार बढ़ाया

सरकार सभी समस्याओं का करेगी समाधान

सीएम ने कहा कि 9 साल पहले रसोइयों का मानदेय हजार रुपये था, वह भी कभी मिलता था तो कभी नहीं मिलता था। गरीबों के हक पर डकैती डालने वाले सपाइयों व कांग्रेसियों की लूट को रोकने के लिए पीएम मोदी जी ने 55 करोड़ लोगों के जनधन अकाउंट खुलवाए। अब डीबीटी के माध्यम से सीधे खाते में राशि जाती है। रसोइयों के लिए अभी तक सामाजिक सुरक्षा की गारंटी नहीं थी। कोई घटना-दुर्घटना, आपदा, पूर्ण दिव्यांग या मृत्यु होने पर परिवार असहाय हो जाता था।

>> (शेष पेज 06 पर)

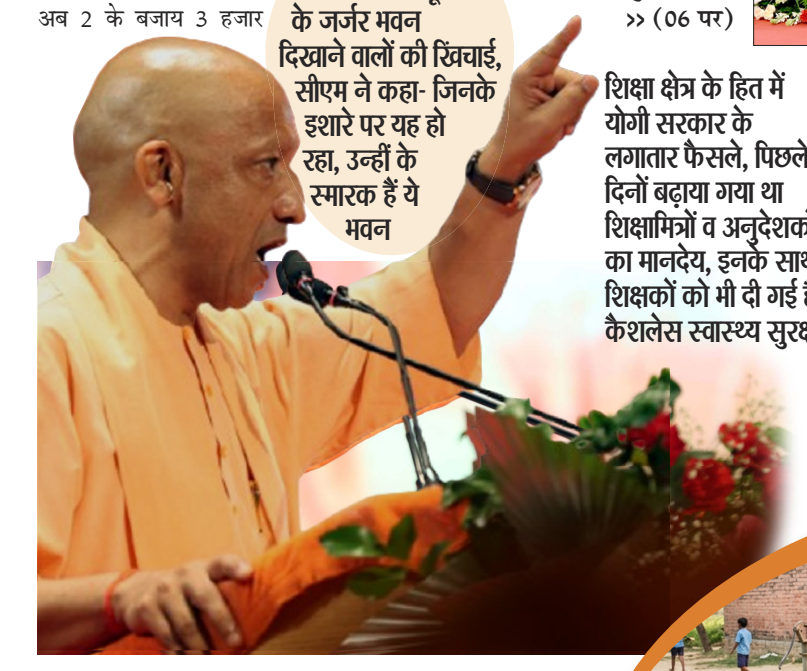

सोशल मीडिया पर स्कूलों के जर्जर भवन दिखाने वालों की खिंचाई, सीएम ने कहा- जिनके इशारे पर यह हो रहा, उन्हीं के स्मारक हैं ये भवन

शिक्षा क्षेत्र के हित में योगी सरकार के लगातार फैसले, पिछले दिनों बढ़ाया गया था शिक्षामित्रों व अनुदेशकों का मानदेय, इनके साथ शिक्षकों को भी दी गई है कैशलेस स्वास्थ्य सुरक्षा

रसोइया सिर्फ पेट नहीं, बच्चों का पोषण तैयार करता है

सीएम ने कहा- रसोई का मतलब सिर्फ पेट भरने के लिए भोजन तैयार करना नहीं, बल्कि बच्चों को पोषण देना भी है। रसोइए देश के बचपन को स्वस्थ बनाने का काम कर रहे हैं। लेकिन पहले उनके स्वास्थ्य की चिंता नहीं की जाती थी। अब एलपीजी की व्यवस्था से उन्हें कोयले और लकड़ी के धुएं से भी मुक्ति मिली है। आप जिन विद्यालय में काम करती हैं, वहां रसोई साफ-सुथरी रखें। >> (शेष 06 पर)

- **3.54 लाख रसोइयों को मिलेगा बढ़े हुए मानदेय का लाभ, अब बढ़कर हुआ 3000 प्रतिमाह**
- **स्कूलों में कार्यरत रसोइयों के मानदेय में अब एक हजार रुपये की अतिरिक्त वृद्धि**
- **योगी सरकार ने रसोइयों के सम्मान, स्वास्थ्य और वित्तीय सुरक्षा को मजबूत करने की प्रतिबद्धता भी जताई**
- **प्रदेश के 1.42 लाख प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में 1.46 करोड़ से अधिक बच्चों को मिल रहा गर्म, ताजा और पौष्टिक भोजन**

- **मानदेय में वृद्धि, परिधान की राशि अब दोगुनी, 5 लाख तक मुफ्त कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा और दो लाख का एक्सीडेंट्ल बीमा कवर घोषित किया सीएम योगी आदित्यनाथ ने**
- **सपा ने नकल से 'प्रदेश की अकल' को किया था नीलाम, सपा को साफ करेगी जनता: मुख्यमंत्री**

मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों,

रक्षाबंधन भाई की कलाई पर बंधने वाला **रक्षा-सूत्र मात्र नहीं, अपितु स्नेह, विश्वास और संकल्प का पावन पर्व है, जो परिवार को जोड़ता है,** समाज में आत्मीयता जगाता है तथा बहन-बेटियों के सम्मान, सुरक्षा एवं स्वाभिमान के प्रति अपने दायित्व का स्मरण कराता है। 'श्रावण पूर्णिमा' के पावन अवसर पर इस वर्ष 28 अगस्त को मनाया जाने वाला यह पर्व हमारे सनातन संस्कारों की इसी सुदृढ़ परंपरा का प्रतीक है।

इस पर्व से जुड़ी कथाएं भी स्नेह और संरक्षण के इसी भाव को साकार करती हैं। लोक परंपरा में कहा जाता है कि भगवान श्रीकृष्ण की उंगली से रक्त बहता देख द्रौपदी ने अपनी साड़ी का किनारा फाड़कर बांध दिया। **द्रौपदी के इस स्नेह का प्रत्युत्तर श्रीकृष्ण ने संकट के समय उनकी रक्षा करके दिया।** इसी प्रकार, राजा बलि को रक्षा-सूत्र बांधकर माता लक्ष्मी ने उन्हें अपना भाई बनाया और भगवान विष्णु को अपने साथ ले आईं। ये प्रसंग बताते हैं कि स्नेह केवल संबंध नहीं बनाता, वह दायित्व और संरक्षण का भाव भी जगाता है।

आज जब नई पीढ़ी तकनीकी उन्नयन के साथ आगे बढ़ रही है, तब इन संस्कारों को अपने आचरण का अंग बनाना और विवेक, सद्भाव एवं सामाजिक एकता को महत्व देना पहले से अधिक आवश्यक है। यही संस्कार हमारे परिवारों को सुदृढ़ करते हैं, समाज को एकजुट रखते हैं और संविधान की प्रस्तावना में निहित समानता, बंधुता और सामाजिक समरसता के भाव को सशक्त करते हुए राष्ट्र को शक्ति प्रदान करते हैं।

रक्षा का यही भाव एक संवेदनशील सरकार के संकल्प में भी दिखाई देता है। **हमारी सरकार ने विगत साढ़े नौ वर्षों में बहन-बेटियों की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है।** मिशन शक्ति तथा मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना ने बेटियों की सुरक्षा, शिक्षा और प्रगति को गति दी है। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह और निराश्रित महिला पेंशन योजना से सामाजिक सुरक्षा मिली है। महिला उद्यमी क्रेडिट कार्ड आर्थिक स्वावलंबन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। **रक्षाबंधन पर वर्ष 2017 से प्रारंभ की गई माताओं-बहनों के लिए निःशुल्क बस यात्रा की सुविधा इस वर्ष भी 27 से 29 अगस्त तक मिलेगी। इससे सुगम एवं सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित होगी।**

सभी प्रदेशवासियों को रक्षा बंधन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। मेरा आप सबसे आग्रह है कि रक्षा-सूत्र के संकल्प को अपने आचरण का हिस्सा बनाएं। **प्रत्येक बहन-बेटी के सम्मान और सुरक्षा का संकल्प लें। सुरक्षाबल, पुलिसकर्मियों और आपदा राहतकर्मियों को रक्षा-सूत्र बांधकर उनके प्रति अपनत्व और कृतज्ञता प्रकट करें। साथ ही, स्थानीय स्तर पर निर्मित राखियों एवं उपहारों को प्राथमिकता दें।** आपका यह प्रयास स्थानीय श्रम, कौशल और उद्यम को प्रोत्साहन देगा तथा आत्मनिर्भर एवं विकसित उत्तर प्रदेश के संकल्प को और सुदृढ़ करेगा।

आपका
योगी आदित्यनाथ

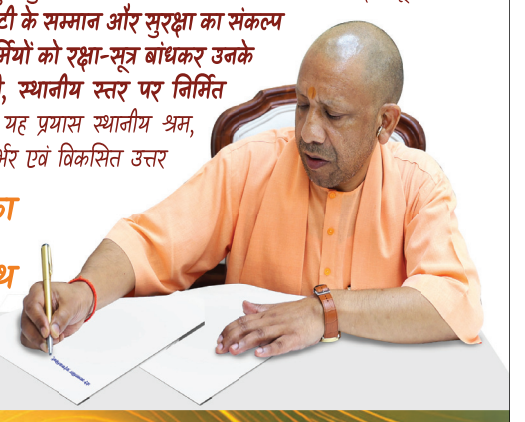

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश
UPGovtOfficial | CMOUttarpradesh | CMOfficeUP
सशक्त नारी, समृद्ध प्रदेश

फास्ट न्यूज

कंगना के बयान पर भड़के रामदेव

देहरादून । हिमाचल प्रदेश से बीजेपी सांसद और एक्ट्रेस कंगना रनोट के 'जेनरेशन गटर' वाले बयान पर शुरू हुआ विवाद अब फिर चर्चा में है। योग गुरु बाबा रामदेव की टिप्पणी के बाद कंगना ने पलटवार करते हुए कहा था, "बाबा जी, मेरी जवानी या बेडरूम के बारे में डे-ड्रीम मत कीजिए।"

000

छत्तीसगढ़-स्कूल से लौट रहे 3 बच्चे नदी में बहे, मौत

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ की तरह उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में भी कई जिलों में तेज बारिश हो रही है। यहां बिलासपुर में स्कूल से घर लौट रहे तीन बच्चे घोंघा नदी के तेज बहाव में बह गए। रविवार को तीनों बच्चों के शव बरामद कर लिए गए हैं। यूपी में भी बारिश और नदियों का जलस्तर बढ़ने से 19 जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। बाराबंकी में करीब 1,250 ग्रामीणों के लिए नाव ही आने-जाने का सहारा बनी हुई है। लोगों को रोजमर्रा के काम करने में भी परेशानी हो रही है। मध्य प्रदेश के सीधी में शनिवार को 104 करोड़ लागत से 6 महीने पहले बनी सड़क का बड़ा हिस्सा बारिश में बह गया।

केंद्र में खाली पद 10 साल में दोगुने

नई दिल्ली। बीते एक दशक में केंद्र सरकार के खाली पद करीब दोगुने हो गए। 2015 में 4.21 लाख पद खाली थे, जो 2024 में बढ़कर 8.24 लाख हो गए। कुल मंजूर पदों में रिक्तियों की हिस्सेदारी 11.5% से बढ़कर 21% हो गई। इस अवधि में केंद्र के विभिन्न विभागों में पदों की कुल मंजूर संख्या में 2.74 लाख का इजाफा हुआ।

सरकार ने वादे पूरे किए या नहीं, रिव्यू करेगी सीजेपी

कहा- जरूरत पड़ने पर दोबारा आंदोलन करेंगे

बातचीत

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) सोमवार को अपनी नेशनल वर्किंग कमेटी की बैठक करने वाली है। इसमें 25 जुलाई को राष्ट्रव्यापी आंदोलन वापस लेने के बाद केंद्र सरकार की ओर से दिए गए आश्वासनों की स्थिति की समीक्षा की जाएगी।

CJP ने कहा कि सरकार ने आश्वासन पूरे करने के लिए उठाए जा रहे कदमों की अब तक औपचारिक जानकारी नहीं दी है।

पार्टी ने कहा कि वादे पूरे कराने के लिए सभी विकल्पों पर विचार होगा, जिसमें दोबारा शांतिपूर्ण राष्ट्रव्यापी आंदोलन शुरू करना भी शामिल है। 25 जुलाई को केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह, जेपी नड्डा ने CJP के साथ जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी।

>> (शेष पेज 06 पर)

- **केंद्र के आश्वासनों पर उठाए सवाल**
- **सुप्रीम कोर्ट ने मांगी थी एफआईआर की लिस्ट**

मुंबई में 22 फीट ऊंची गणेश प्रतिमा गिरी

मुंबई। मुंबई के भुलेश्वर में शनिवार रात करीब 10 बजे 22 फीट ऊंची गणेश प्रतिमा गिरने से 2 लोगों की मौत हो गई। 5 घायल हो गए, जिनमें 5 और 7 साल की दो बच्चियां शामिल हैं।

पुलिस की शुरुआती जांच के मुताबिक, प्रतिमा लालबाग से भुलेश्वर लाई जा रही थी। पंडाल से करीब 50-60 मीटर पहले प्रतिमा के पीछे लगा वेल्डिंग सपोर्ट टूट गया। इससे मूर्ति का संतुलन बिगड़ा और वह आगे की तरफ लोगों पर गिर गई। हादसे के बाद प्रतिमा के तीन टुकड़े हो गए। फायर ब्रिगेड, पुलिस, ट्रैफिक पुलिस, 108 एंबुलेंस और BMC की टीमों ने मौके पर पहुंचकर राहत-बचाव शुरू किया।

घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पतालों में पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने मामले में एक्सीडेंटल डेथ रिपोर्ट (ADR) दर्ज की है।

स्मृति बोलीं- 33% महिला आरक्षण लागू होने दें, पूरा वंदे मातरम भी गाएं

राहुल महिलाओं के समर्थक हैं तो साबित करें : स्मृति

कटाक्ष

- **कांग्रेस ने कहा था वंदे मातरम के दो ही पैरा गाएंगे**
- **भाजपा का दावा- कांग्रेस मुख्यालय में रोका गया था वंदेमातरम**

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। भाजपा महासचिव स्मृति ईरानी ने रविवार को कहा कि अगर राहुल गांधी महिलाओं के समर्थक हैं तो उन्हें पहले महिला आरक्षण लागू करने का समर्थन करना चाहिए। वे 33% आरक्षण लागू कराने और पूरे वंदे मातरम के गायन का समर्थन करके अपनी बात साबित करें। स्मृति ने कहा कि वंदे मातरम के आखिरी 2 पैरा देवी दुर्गा को समर्पित हैं।

स्मृति का यह बयान राहुल गांधी के पुणे में हुए छात्रों की गूंज इवेंट के बाद आया है। जहां राहुल ने लड़कियों से कहा था कि उन्हें पितृसत्ता को खत्म करना चाहिए।

>> (शेष पेज 06 पर)

स्मृति ईरानी 17 अगस्त को घोषित भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में राष्ट्रीय महासचिव बनाई गई हैं।

राहुल गांधी शनिवार को पुणे में छात्राओं से बात करते हुए 'मनुस्मृति की मानसिकता' पर निशाना साधते हुए कहा था कि इसने महिलाओं को पुरुषों के अधीन रहने मजबूर किया है।

वंदेमातरम पूरा न गाए जाने पर भी बोलीं स्मृति

स्मृति ने कहा- हिंदू धार्मिक परंपरा में 'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता' की भावना निहित है और भगवती, लक्ष्मी तथा सरस्वती जैसी देवियों की पूजा की जाती है। उन्होंने कहा कि देवी दुर्गा को शक्ति के स्वरूप के रूप में पूजा जाता है। मैं आग्रह करती हूं कि कांग्रेस मुख्यालय में वंदे मातरम का पूरा संस्करण गाया जाए, जिसमें देवी दुर्गा का आह्वान करने वाली पंक्तियां भी शामिल हों।

मरम्मत : बहलावलपुर में मरकज सुभानअल्लाह के गुंबदकी मरम्मत, नया संगमरमर और प्लास्टर लगा

ऑपरेशन सिंदूर में तबाह जैश हेडक्वार्टर दोबारा तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी

ऑपरेशन सिंदूर में इंडियन एयरफोर्स ने पाकिस्तान के बहावलपुर में जैश-ए-मोहम्मद का मरकज सुभानअल्लाह हेडक्वार्टर तबाह कर दिया था। अब यह फिर से बनकर तैयार हो गया है। इंडिया टुडे की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इसके री-कंस्ट्रक्शन में 15 महीने लगे। रिपोर्ट में दावा किया गया कि मरकज सुभानअल्लाह के क्षतिग्रस्त गुंबद फिर बना दिए गए हैं, नया संगमरमर और प्लास्टर लगाया गया है। नया पेंट भी किया गया है। दीवारों समेत पूरी इमारत की मरम्मत कर की गई है।

2025 में 6-7 मई की रात हुए ऑपरेशन सिंदूर में आतंकवादी संगठन जैश के इस ठिकाने को काफी नुकसान पहुंच था।

22 अप्रैल 2025 को कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत के बाद भारत ने जवाबी कार्रवाई की थी। बहावलपुर का यह कैंप लंबे समय से भारत के खिलाफ जैश की गतिविधियों से जुड़ा रहा है। संगठन का नाम 2001 के संसद हमले, 2016 के पठानकोट एयरबेस हमले और 2019 के पुलवामा आत्मघाती हमले से जुड़ा है। माना जाता है कि पुलवामा हमले की साजिश भी सुभान अल्लाह कैंप में बनाई गई थी।

तस्वीरों से भी बहावलपुर मस्जिद के गुंबद और आसपास के ढांचों को गंभीर नुकसान की पुष्टि हुई थी।

- **मरकज सुभान अल्लाह भारत पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा से 100 किलोमीटर दूर है। यहां जैश नए आतंकियों की भर्ती, ट्रेनिंग और ब्रेनवॉश करता था।**
- **18 एकड़ में फैले इस परिसर को उस्मान-ओ-अली कैंपस के नाम से भी जाना जाता है। यहां एक मस्जिद और दूसरी सुविधाएं भी मौजूद थीं।**

मरम्मत पर 25 करोड़ पाकिस्तानी रुपए खर्च

रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान सरकार ने जैश को मरम्मत के लिए 25 करोड़ पाकिस्तानी रुपए दिए। मदरसा अल-सबीर और जैश कमांडरों के रहने के लिए इस्तेमाल होने वाले एरिया का भी दोबारा निर्माण भी किया जा रहा है।

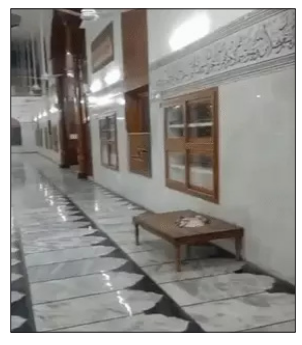

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान बेस के अंदर का हॉल धंस गया। अब इसकी मरम्मत कर दी गई है।

यूपी विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना राष्ट्रगान छोड़कर चले गए

अचानक मंच से उतरे, कार में बैठकर रवाना

अपमान

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव । यूपी विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना का राष्ट्रगान बीच में छोड़कर जाने का वीडियो सामने आया है। उन्नाव में शनिवार को कार्यक्रम के दौरान पुलिस ने प्रोटोकॉल के तहत महाना को गार्ड ऑफ ऑनर दिया। इसके तुरंत बाद राष्ट्रगान शुरू हुआ।

सतीश महाना ने चलते राष्ट्रगान में ही तिरंगे को सलामी दी, हाथ जोड़ा और मंच के पीछे की ओर उतर गए। कुछ दूरी पर खड़े समर्थक भी उनके पास पहुंचे और पैर छूने लगे। इसके बाद महाना कार में बैठे और वहां से रवाना हो गए।

मामला पूरन नगर के एक स्कूल का है। जहां महाना प्रधानाचार्य परिषद के अधिवेशन और शैक्षिक संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंचे थे। वीडियो रविवार को सामने आया। कार्यक्रम आयोजकों ने से कहा- जिस जगह सतीश महाना मौजूद थे, राष्ट्रगान वहां से काफी दूर बज रहा था।

>> (शेष पेज 06 पर)

- **कार्यक्रम में 40 मिनट रहे, बोले- संस्थान मजबूत होंगे तो देश मजबूत होगा**

स्कूलों में घुसा पानी, प्रयागराज में सड़कों पर अंतिम-संस्कार, बाराबंकी में नावें चल रहीं 10 शहरों में बारिश

यूपी में नदियां उफनाईं, बांध ओवरफ्लो

जलमग्न

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ/वाराणसी/प्रयागराज। यूपी में लगातार हो रही बारिश से नदियां उफान पर हैं। 19 जिले बाढ़ की चपेट में हैं। 92 गांवों में फसलें जलमग्न हो गई हैं। 26 गांव टापू में तब्दील हो चुके हैं। इन्हें दूसरे गांवों से जोड़ने वाली सड़कें डूब चुकी हैं। प्रभावित इलाकों में नावों और मोटर बोट के जरिए राहत सामग्री पहुंचाई जा रही है। झांसी में बेतवा नदी पर बना बांध सीजन में पहली बार ओवरफ्लो हो गया है। 140 साल पुराने पारीछा बांध के गेट भी खोल दिए गए हैं। बाराबंकी में सरयू नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। संतकबीर नगर के 20 गांव बाढ़ की चपेट में हैं। 9 सरकारी स्कूलों के

परिसरों में पानी घुस चुका है।

प्रयागराज में गंगा और यमुना का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। दारागंज घाट की सीढ़ियां जलमग्न होने के कारण सड़कों पर अंतिम संस्कार कराने की नौबत आ गई है। कानपुर के निचले इलाकों की बस्तियों में पांडु नदी का पानी घुसने से करीब 2 हजार लोग प्रभावित हुए हैं। वाराणसी के अस्सी घाट पर 'सुबह-ए-बनारस' का मंच पानी में डूब चुका है। इधर, रविवार को प्रयागराज, गोरखपुर, मेरठ, बहराइच समेत 10 शहरों में मूसलाधार बारिश हुई। शाहजहांपुर में सुबह घना कोहरा देखा गया, जिससे विजिबिलिटी घटकर 50 मीटर से कम रह गई। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक, बारिश के कारण हवा में नमी का स्तर काफी बढ़ गया था और रात में तापमान गिरने से यह

झांसी में बेतवा नदी का जलस्तर बढ़ा, बांध ओवरफ्लो

झांसी में लगातार हो रही बारिश की वजह बेतवा नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। इस नदी पर बना सुकुवां-दुकुवां बांध इस सीजन में पहली बार ओवरफ्लो हो गया है। साथ ही पारीछा बांध के गेट भी खोले गए। दोनों बांधों से शनिवार को 3802 क्यूसेक पानी बेतवा नदी में छोड़ा गया। इसके अलावा पहाड़ी बांध से 8580 और लहचूरा बांध से 17 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। मंडल के 27 बांधों में 16 अब 50 फीसदी से अधिक भर चुके हैं। जलस्तर बढ़ने से ललितपुर के राजघाट बांध 88.07 और माताटीला बांध 63.46 प्रतिशत भर गया है।

नमी छोटी-छोटी बूंदों में बदलकर कोहरे में बदल गईं। लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया-मानसूनी सिस्टम के उत्तर की ओर सक्रिय होने और बंगाल की खाड़ी से लगातार नमी भरी हवाएं आने से यूपी में अगले आज और कल बारिश की गतिविधियों में तेजी बरकरार रहेगी।

आज प्रदेश के 71 जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश का अलर्ट है। 12 जिलों में बहुत भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। इससे पहले, शनिवार को राज्य के 58 जिलों में बारिश हुई। शामली और बरेली में सड़कें तालाब बन गईं। बहराइच और मेरठ के मेडिकल कॉलेजों में भी पानी भर गया।

गोंडा में जोरदार बारिश से मौसम सुहाना, गर्मी-उमस से मिली राहत

गोंडा में रविवार दोपहर करीब 1 बजे हल्की हवाओं के साथ बारिश शुरू हुई। कुछ देर बाद बारिश तेज हो गई, जिससे तापमान में गिरावट आई। बारिश के बाद मौसम सुहाना हो गया और लोगों को उमस व गर्मी से राहत मिली।

100 साल की कार्ययोजना बनाएंगे : केशव प्रसाद मौर्य

जलभराव की समस्या से स्थायी निजात दिलाएंगे

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज । प्रयागराज में जलभराव की समस्या से स्थायी निजात दिलाने के लिए अब 100 साल की कार्ययोजना तैयार की जाएगी। रविवार को डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने नगर निगम, स्वास्थ्य, सिंचाई, गंगा प्रदूषण समेत विभिन्न विभागों के अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक में यह निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मकसद सिर्फ बारिश के बाद पानी निकालना नहीं, बल्कि ऐसी व्यवस्था तैयार करना है जिससे आने वाले दशकों में दोबारा शहर को जलभराव की समस्या से न जूझना पड़े।

डिप्टी सीएम ने अधिकारियों को फिर आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि अगर समय रहते जरूरी कदम उठाए गए होते तो आज ऐसी स्थिति नहीं बनती। उन्होंने अफसरों को निर्देश दिया कि कार्यालय में बैठकर कागजी रिपोर्ट तैयार करने के बजाय मौके पर जाएं और जलभराव के वास्तविक कारणों को समझें। प्रयागराज के साथ प्रदेश के दूसरे बड़े शहरों में भी विशेषज्ञ कंपनियों की मदद से सर्वे कराकर स्थायी समाधान का मास्टर प्लान तैयार किया जा रहा है।

बैठक में विधायकों और पार्षदों ने अपने-अपने क्षेत्रों में जलभराव और जलनिकासी से जुड़ी समस्याएं बताईं। डिप्टी सीएम ने ऐसे इलाकों को चिह्नित करने के निर्देश दिए, जहां बारिश के दौरान बड़े पैमाने पर पानी भरता है।

फास्ट न्यूज

बाढ़ प्रभावित गांवों में दवा छिड़काव

बाराबंकी । बाराबंकी के सिरौलीगौसपुर में स्वास्थ्य विभाग ने बाढ़ प्रभावित गांवों में बड़े पैमाने पर दवा छिड़काव अभियान चलाया। यह अभियान संक्रमण और मच्छरजनित बीमारियों की रोकथाम के उद्देश्य से शुरू किया गया है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) अधीक्षक डॉ. आरिफ सिद्दीकी के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने रविवार को इन गांवों का दौरा किया।

गोरखपुर में रक्षाबंधन पर 60 अतिरिक्त बसें चलेंगी

गोरखपुर। गोरखपुर में रक्षाबंधन पर यात्रियों की संख्या बढ़ने की संभावना को देखते हुए रोडवेज ने तैयारी तेज कर दी है। गोरखपुर लोकल में 60 अतिरिक्त बसें चलाई जाएंगी। 26 अगस्त से बसों के फेरे भी बढ़ाए जाएंगे। गोरखपुर से लखनऊ, वाराणसी, देवरिया, बस्ती और कुशीनगर रूट पर सबसे ज्यादा फोकस रहेगा।

रक्षाबंधन के दिन महिलाओं को बस में मुफ्त यात्रा की सुविधा मिलेगी। 27 अगस्त की रात से 28 अगस्त की रात तक महिलाएं यूपी रोडवेज की बसों में बिना किराए के सफर कर सकेंगी।

रामनगर में दो शातिर चोर गिरफ्तार, तीन मोटरसाइकिलें बरामद

रामनगर । बाराबंकी के रामनगर थाना पुलिस ने वाहन चोरी के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनकी निशानदेही पर चोरी की तीन मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। पुलिस के मुताबिक, आरोपी आसपास के जिलों में बाइक चोरी की घटनाओं को अंजाम देते थे। बरामद बाइकों में एक सीतापुर जिला अस्पताल, दूसरी गोंडा जिला अस्पताल और तीसरी अयोध्या रेलवे स्टेशन के पास से चोरी की गई थी।

कांवड़ियों का रेला दिल्ली लखनऊ हाईवे पर जीरो ट्रैफिक

अब तक 55.69 लाख श्रद्धालुओं ने दर्शन किए

तमसा संकेत, एजेंसी

मुरादाबाद, वाराणसी। सावन के आखिरी सोमवार से एक दिन यूपी की सड़कों पर कांवड़ियों की भीड़ है। रविवार को मुरादाबाद मंडल में कांवड़ियों का रेला उमड़ा हुआ है।। मुरादाबाद से ब्रजघाट तक कांवड़िए ही कांवड़िए हैं। इनके स्वागत के लिए हाईवे के दोनों किनारे कदम-कदम पर शिविर और भंडारे लगाए गए हैं। शिविर में सेवादार कांवड़ियों के हाथ-पैर भी दबा रहे हैं।

कांवड़ियों की भीड़ को देखते हुए दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर मुरादाबाद से ब्रजघाट तक करीब 60km को सोमवार तक जीरो ट्रैफिक कर दिया गया है। वहीं काशी में भी बाबा विश्वनाथ के दर्शन को भक्तों की भीड़ उमड़ी है। करीब 2km लंबी लाइन लगी है। वहीं बाबा विश्वनाथ के 20 दिन में 55.69 लाख श्रद्धालुओं ने दर्शन कर लिए हैं। मुरादाबाद से ब्रजघाट तक करीब 60 किलोमीटर लंबे हाईवे पर दूर-दूर तक सिर्फ कांवड़िए ही कांवड़िए नजर आ रहे हैं। सड़क पूरी तरह भगवा रंग में रंगी दिखाई दे रही है। शहर की सड़कों पर वाहनों की आवाजाही थम गई है और जगह-जगह सिर्फ कांवड़िए ही नजर आ रहे हैं। सुरक्षा व्यवस्था के बीच पूरा शहर भोले की भक्ति में रंगा नजर आ रहा है। मुरादाबाद में कांवड़ियों की सुविधा और स्वास्थ्य को देखते हुए दिल्ली हाईवे पर जगह-जगह हेल्थ कैंप लगाए गए हैं। इन कैंपों में कांवड़ियों को प्राथमिक उपचार और जरूरी स्वास्थ्य सुविधाएं दी जा रही हैं।

शॉर्ट सर्किट से गेट लॉक, ड्राइविंग सीट पर चिपका रह गया बाराबंकी में मां से मिलने जा रहा था युवक, सीट चिता बनी

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी में कार में एक युवक की जिंदा जलकर मौत हो गई। रविवार सुबह करीब साढ़े 10 बजे चलती वैगन-आर में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते कार आग का गोला बन गई। उसके चारों दरवाजे लॉक हो गए।

ड्राइविंग सीट पर बैठे 50 साल के राजनारायण वर्मा कार के अंदर ही फंस गए। उन्होंने दरवाजा खोलकर बाहर निकलने की कोशिश की, लेकिन दरवाजा नहीं खुला। आग की ऊंची लपटें देखकर आसपास के गांववाले मौके पर पहुंचे, लेकिन किसी की कार के पास जाने की हिम्मत नहीं हुई।

गांववालों ने पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। जब तक टीम पहुंचती, गांववालों ने पानी डालकर किसी तरह आग बुझाई। कार का गेट तोड़कर खोला, तो शव बुरी तरह जलकर सीट से चिपका मिला। शव को जैसे-तैसे निकालकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया।

पुलिस के मुताबिक, कार पेट्रोल वैरिएंट थी। शुरुआती जांच के मुताबिक, शॉर्ट सर्किट से आग लगी। कार को जब्त कर लिया है। हादसा बाराबंकी-अयोध्या रोड पर जिला मुख्यालय से 15 किमी दूर सफदरगंज थाना क्षेत्र में हुआ। घरवालों के

पुलिस ने कार को कब्जे में लेकर हादसे की जांच शुरू कर दी।

मां से मिलने जा रहे थे, 2 किमी पहले हादसा

राजनारायण वर्मा बाराबंकी रजिस्ट्री कार्यालय में स्टांप वेंडर थे। मूल रूप से बाराबंकी के बरियारपुर गांव के रहने वाले थे। उनका एक मकान शहर के विजयनगर मोहल्ले में भी है। जहां वह अपनी पत्नी के साथ रहते थे। उनकी बेटी की शादी हो चुकी है, जबकि बेटा आंध्र प्रदेश में रहकर बीटेक की पढ़ाई कर रहा है। राजनारायण के पिता मेवा लाल वर्मा और मां बबिता वर्मा गांव में रहते हैं। उनके भाई जंग बहादुर वर्मा शहर में रहकर प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करते हैं। राजनारायण भी उनके साथ मिलकर प्रॉपर्टी डीलिंग करते थे। इससे पहले वह 10 साल तक मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव (एमआर) के रूप में भी काम कर चुके थे।

मुताबिक, राजनारायण शनिवार रात एक रिश्तेदार के कार्यक्रम में गए थे। वहां से रविवार सुबह अपनी वैगन-आर कार (UP 41 R 8292) से बरियारपुर गांव के लिए रवाना हुए। बाराबंकी-अयोध्या रोड से होते हुए उन्होंने गांव जाने के लिए सफदरगंज क्षेत्र के भौदरा मार्ग की ओर कार मोड़ी।

सफदरगंज थाना प्रभारी अमर चौरसिया ने बताया कार में आग लगने की सूचना मिली थी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। शुरुआती जांच में वायरिंग में शॉर्ट सर्किट से आग लगने की बात सामने आई है। पुलिस हादसे की परिस्थितियों और आग लगने के वास्तविक कारणों की जांच कर रही है।

रॉड से मारकर युवक की हत्या

घर की छत पर मिली थी खून से सनी लाश, 5 साल पहले पत्नी कर ली थी दूसरी शादी

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर । गोरखपुर के खोराबार इलाके सिक्टौर में पासी टोला में एक युवक की हत्या कर दी गई। शनिवार सुबह 35 वर्षीय युवक का खून से सना शव उसके घर की छत पर मिला। युवक के सिर में रॉड से गंभीर चोट के निशान मिले हैं। घटनास्थल की स्थिति को देखते हुए हत्या की आशंका जताई जा रही है।

मृतक की पहचान प्रदीप पासवान के रूप में हुई है। 5 साल पहले उसकी पत्नी छोड़कर चली गई, उसने दूसरी शादी कर ली थी। घर पर प्रदीप अकेले रहता था। सूचना मिलने पर खोराबार पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मौके पर पहुंचकर एसपी सिटी निमिष पाटील ने जांच पड़ताल की।

घटना के समय घर पर कोई मौजूद नहीं था। ग्रामीणों के अनुसार

मृतक के पक्के मकान के एक कमरे में भूसा रखा हुआ था। भूसा खून से सना मिला। उसके पास मृतक के कपड़े भी पड़े थे। इससे आशंका जताई जा रही है कि युवक पर कमरे में ही हमला किया गया और बाद में शव को छत पर ले जाया गया। हालांकि, इसकी पुष्टि जांच औरपोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही हो सकेगी।

प्रदीप की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी और वह आसपास के लोगों के घर खाना खा लेता था। उसके घर में उसके पट्टीदार भूसा रखते थे। मृतक का बड़ा भाई संजय पासवान पत्नी और बच्चों के साथ दिल्ली में मजदूरी करता है। वह कभी-कभी गांव सिक्टौर आता था। घटना की जानकारी मिलने के बाद परिवार के लोगों को सूचना दी गई। ग्रामीणों के अनुसार प्रदीप के सिर पर रॉड जैसी किसी भारी वस्तु से हमला किया गया है। सिर खून से लथपथ था और गंभीर चोट के निशान मिले हैं। पुलिस ने घटनास्थल से मिले साक्ष्यों को सुरक्षित कर जांच शुरू कर दी है।

पांच साल पहले पत्नी छोड़कर चली गई

प्रदीप पासवान मजदूरी करता था और बाहर रहकर कमाता था। करीब दो साल बाहर रहने के बाद वह लगभग डेढ़ माह पहले ही गांव लौटा था। माता-पिता की पहले ही मौत हो चुकी है। ग्रामीणों के मुताबिक प्रदीप की पत्नी संजूमा देवी करीब पांच साल पहले उसे छोड़कर दूसरी शादी कर चुकी है। प्रदीप के दो बच्चे हैं। बड़ा बेटा प्रयास करीब 10 वर्ष का है और दिल्ली में अपनी बुआ के साथ रहता है। बेटी करिश्मा करीब सात वर्ष की है और वह अपनी मां के साथ रहती है।

वाराणसी में 1.16 अरब के साइबर फ्रॉड में 4 गिरफ्तार

वाराणसी । वाराणसी की साइबर क्राइम पुलिस और चेतगंज पुलिस ने रविवार को साइबर फ्रॉड गैंग के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों में एक सासाराम और तीन वाराणसी के रहने वाले हैं। पुलिस के मुताबिक, आरोपी फर्जी फर्म बनाकर लोगों के बैंक खाते खुलवाते थे और उनकी पूरी डिटेल दूर बैठे साइबर अपराधियों को उपलब्ध कराते थे। जांच में सामने आया कि इन 41 खातों में 1 अरब 16 करोड़ 86 लाख 58 हजार 321 रुपए का ट्रांजेक्शन हुआ है और इन पर 143 NCRP शिकायतें दर्ज हैं। पुलिस ने चारों आरोपियों को चेतगंज थाने में दर्ज मुकदमे में जेल भेज दिया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान नितीश कुमार पांडेय, दुष्यंत सिंह, हिमांशु झा और रेहान के रूप में हुई है। पूछताछ में गैंग से जुड़े दो और नाम प्रतीक तिवारी उर्फ बंटी और रोमिल वर्मा सामने आए हैं। अब पुलिस दोनों की तलाश कर रही है।

जलस्तर घटा, लेकिन बाढ़ पीड़ितों की मुश्किलें बरकरार

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। हेतमापुर स्थित घाघरा नदी में बीते दिनों आई तेज उफान से तटवर्ती गांवों में बाढ़ का संकट गहरा गया था। नदी का जलस्तर बढ़ने से कई गांवों और घरों में पानी घुस गया था। अचानक आई बाढ़ के चलते ग्रामीणों को घरों से जरूरी सामान समेटकर सुरक्षित स्थानों की ओर पलायन करना पड़ा। पानी कम होने के बाद भी सुंदरनगर गांव के कई बाढ़ पीड़ित परिवार अभी हेतमापुर बांध पर ही रहने को मजबूर हैं। पिछले दो दिनों से घाघरा नदी के जलस्तर में लगातार कमी आने से ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है, लेकिन गांवों में हालात अभी पूरी तरह सामान्य नहीं हुए हैं। कई घरों, गलियों और रास्तों में पानी के साथ मोटी परत में कीचड़ जमा है। जलभराव और गंदगी के कारण ग्रामीणों के लिए अपने घरों में वापस लौटना मुश्किल बना हुआ है। बाढ़ के दौरान घरों में पानी भर जाने के कारण ग्रामीणों को

घरेलू सामान और अन्य जरूरी वस्तुएं सुरक्षित स्थानों तक पहुंचानी पड़ी थीं। कई परिवार बच्चों और बुजुर्गों को लेकर बांध पर आ गए थे। अब पानी कम होने के बावजूद उन्हें खुले आसमान के नीचे रहने में भोजन, पेयजल, शौचालय और रात गुजारने जैसी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सुंदरनगर के बाढ़ पीड़ित मोहम्मद अहमद, मोहम्मद आलम, संजय, शेखर राजपूत, शेषकुमार, केशवराम, शिवांशु, जनकलाल, बंटू, इंशान अली, बाजपेई, चेतई बाबा, रामसहारे, दीपू, प्रीतम, कमलेश, संतोष और कौशल समेत अन्य ग्रामीणों का कहना है कि नदी का पानी भले ही घट रहा हो, लेकिन गांव में बाढ़ का असर अभी भी साफ दिखाई दे रहा है।

दबिश : फर्जी फर्म बनाकर खुलवाते थे बैंक अकाउंट, साइबर अपराधियों को देते थे डिटेल

1.16 अरब के साइबर फ्रॉड में 4 गिरफ्तार

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी । वाराणसी की साइबर क्राइम पुलिस और चेतगंज पुलिस ने रविवार को साइबर फ्रॉड गैंग के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों में एक सासाराम और तीन वाराणसी के रहने वाले हैं। पुलिस के मुताबिक, आरोपी फर्जी फर्म बनाकर लोगों के बैंक खाते खुलवाते थे और उनकी पूरी डिटेल दूर बैठे साइबर अपराधियों को उपलब्ध कराते थे। जांच में सामने आया कि इन 41 खातों में 1 अरब 16 करोड़ 86 लाख 58 हजार 321 रुपए का ट्रांजेक्शन हुआ है और इन पर 143 NCRP शिकायतें दर्ज हैं।

पुलिस ने चारों आरोपियों को चेतगंज थाने में दर्ज मुकदमे में जेल भेज दिया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान नितीश कुमार पांडेय, दुष्यंत सिंह, हिमांशु झा और रेहान के रूप में हुई है। पूछताछ में गैंग से जुड़े दो और नाम प्रतीक तिवारी उर्फ बंटी और रोमिल वर्मा सामने आए हैं। अब पुलिस दोनों की तलाश कर रही है।

एसीपी क्राइम के मुताबिक, गैंग के सदस्य बनारस में रहने वाले लोगों के अलावा दूसरे जिलों और राज्यों से आकर यहां बसे लोगों को भी अपने जाल में फंसाते थे। उन्हें कमीशन देने का लालच दिया जाता था। इसके बाद उनके नाम पर फर्जी फर्म तैयार कर बैंक अकाउंट खुलवाया जाता था।

खाता खुलने के बाद आरोपी उसकी बैंकिंग डिटेल अपने पास रखते थे। फिर यही जानकारी दूसरे साइबर अपराधियों को उपलब्ध कराई जाती थी। ऑनलाइन गेमिंग और दूसरे तरीकों से की गई साइबर ठगी की रकम इन्हीं खातों में मंगाई जाती थी।

एसीपी क्राइम ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में नितीश कुमार पांडेय का आपराधिक रिकॉर्ड मिला है। बाकी तीनों के पुराने मामलों की भी जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस यह भी पता कर रही है कि गैंग ने कितने लोगों के नाम पर खाते खुलवाए और इनका इस्तेमाल किन-किन साइबर ठगी की वारदातों में किया गया।

करौंदी में संदिग्धों की सूचना पर दबिश

एसीपी क्राइम विनय द्विवेदी ने बताया कि चेतगंज थाने में साइबर फ्रॉड को लेकर मुकदमा दर्ज हुआ था। इसके बाद साइबर क्राइम टीम और चेतगंज पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी थी। इसी दौरान सूचना मिली कि कुछ संदिग्ध लोग विवेकानंदपुरी कॉलोनी, करौंदी के पास मौजूद हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और चारों को पकड़ लिया। पूछताछ में उन्होंने अपना नाम नितीश कुमार पांडेय, दुष्यंत सिंह, हिमांशु झा और रेहान बताया। जांच आगे बढ़ी तो इनके साइबर अपराध से जुड़े नेटवर्क का खुलासा हुआ।

कांग्रेस सम्मेलन में मछली भोज

बीजेपी विधायक बोले- ये सनातन का अपमान, आयोजक ने कहा- हम संविधान का पालन कर रहे

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या। अयोध्या में रविवार को गोसाईगंज विधानसभा का कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन हुआ। इसमें प्रदेश अध्यक्ष अजय राय मुख्य अतिथि थे। सम्मेलन में मछली भोज भी हुआ। इसको लेकर भाजपा ने कांग्रेस पर जुबानी हमला बोला। विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने कहा कि सावन महीने में करोड़ों सनातनी भगवान शिव आराधना में लीन हैं।

उस समय मछली भोज करना कांग्रेस की सनातन विरोधी मानसिकता का खुला प्रदर्शन है। कांग्रेस को यह समझना चाहिए कि सनातन समाज की आस्था कोई राजनीतिक प्रयोगशाला नहीं है। अयोध्या में आकर मंदिरों में माथा टेकना और दूसरी तरफ सावन में मछली भोज कराना कांग्रेस के दोहरे चरित्र को उजागर करता है। सनातन

की आस्था के साथ खिलवाड़ करने वालों को जनता जवाब देगी।

यह सम्मेलन हाल ही में कांग्रेस में शामिल हुए राम निहाल निषाद ने कराया। उन्होंने कहा कि संविधान में कहीं नहीं लिखा है कि सावन में मछली नहीं खाई जाती है। हम संविधान का पालन कर रहे हैं। वहीं सम्मेलन में शामिल होने से पहले अजय राय ने हनुमानगढ़ी में दर्शन-पूजन किया। हनुमान चालीसा का पाठ किया। रामजन्मभूमि पहुंचकर रामलला के दर्शन किए। फिर सम्मेलन को संबोधित किया।

राम निहाल बोले- दोनों तरह का खाना बना था

तारुन विकासखंड स्थित अर्पित मैरिज लॉन में कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन हुआ। यह आयोजन राम निहाल निषाद ने कराया। राम निहाल निषाद भाजपा के कार्यसमिति के अध्यक्ष थे। 23 जून को उन्होंने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण कर ली। कांग्रेस में शामिल होने के बाद उनका यह पहला कार्यक्रम था। वह गोसाईगंज विधानसभा सीट से कांग्रेस की ओर से दावेदारी कर रहे हैं। सम्मेलन में भीड़ जुटाकर उन्होंने विधानसभा गोशाईगंज से अपनी दावेदारी पेश की। इसमें प्रदेश अध्यक्ष अजय राय बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए।

अंबेडकरनगर में कैशलेस चिकित्सा कार्ड वितरण कार्यक्रम का सजीव प्रसारण

रसोइयों के मानदेय में बढ़ोतरी अब हर माह मिलेंगे 3 हजार रु.

सुविधा

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। पीएम पोषण योजना से जुड़े रसोइयों के लिए रविवार को विकास भवन सभागार में सम्मान समारोह और कैशलेस चिकित्सा कार्ड वितरण कार्यक्रम का सजीव प्रसारण हुआ। प्रदेश स्तर पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान रसोइयों के मानदेय में वृद्धि समेत कई सुविधाओं की जानकारी दी गई। इसे लेकर जिले में मौजूद रसोइयों ने प्रसन्नता जताई।

कार्यक्रम में कटेहरी विधायक धर्मराज निषाद, जिला पंचायत प्रशासक एवं पूर्व अध्यक्ष श्याम सुंदर वर्मा उर्फ साधु वर्मा, मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला समेत अधिकारी, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में रसोइये मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में बच्चों को भोजन उपलब्ध कराने में रसोइयों की अहम भूमिका है। सजीव प्रसारण के दौरान प्रदेश के 3.54 लाख रसोइयों के लिए कैशलेस चिकित्सा कार्ड वितरण की शुरुआत की गई। मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला ने कहा कि पीएम पोषण योजना के संचालन में रसोइयों की भूमिका महत्वपूर्ण है। विद्यालयों में बच्चों को भोजन उपलब्ध कराने के साथ उनके पोषण का ध्यान रखने में उनका योगदान रहता है। अंबेडकरनगर की अन्य सभी तहसीलों में भी जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की मौजूदगी में कार्यक्रम का सजीव प्रसारण हुआ। अंत में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी पूनम मिश्रा ने अतिथियों और रसोइयों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

> कार्यक्रम में बताया गया कि पीएम पोषण योजना के रसोइयों का मानदेय अब 3000 रुपये प्रतिमाह होगा। कटेहरी विधायक धर्मराज निषाद ने कहा कि पहले रसोइयों को 1000 रुपये मिलते थे। इसे बढ़ाकर 2000 और अब 3000 रुपये किया गया है।

दुर्घटना में दो लाख और इलाज के लिए पांच लाख तक की सुविधा

कैशलेस इलाज के साथ दुर्घटना सहायता

कार्यक्रम में रसोइयों के लिए प्रतिवर्ष पांच लाख रुपये तक कैशलेस उपचार की सुविधा शुरू किए जाने की जानकारी दी गई। दुर्घटना की स्थिति में परिवार को दो लाख रुपये की सहायता का प्रावधान भी बताया गया।

इसके अलावा साड़ी के लिए दी जाने वाली धनराशि को बढ़ाकर 1000 रुपये किए जाने की जानकारी दी गई। इन घोषणाओं को रसोइयों के सम्मान, सुरक्षा और सामाजिक-आर्थिक हितों से जोड़कर देखा गया।

चूल्हे की आग ने उजाड़ दी पूरी गृहस्थी सिलेंडर फटा तो चटक गई दीवार

खाना बनाते समय हुआ हादसा, बिस्तर से लेकर कूलर-वाशिंग मशीन तक जले

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। राजेसुल्तानपुर थाना क्षेत्र के सांती गांव में शुक्रवार रात करीब आठ बजे गैस पाइप में लगी आग ने रामप्यारे निषाद के परिवार की पूरी गृहस्थी तबाह कर दी। खाना बनाते समय अचानक गैस पाइप में आग लगी। कुछ ही देर में लपटों ने पूरे घर को घेर लिया। परिवार के लोग जान बचाकर बाहर निकले। इसी दौरान गैस सिलेंडर में धमाका हुआ, जिससे मकान की ऊपरी दीवार भी क्षतिग्रस्त हो गई।

रामप्यारे निषाद की बहू लक्ष्मी निषाद रोज की तरह रात में खाना बना रही थीं। इसी दौरान गैस पाइप में अचानक आग लग गई। परिवार ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन लपटें तेजी से फैलने लगीं।

हालात बिगड़ते देख परिवार के लोग घर से बाहर निकल आए और आसपास के लोगों से मदद मांगी। आग की लपटें देख गांव में अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीण मौके पर पहुंचे और अपने स्तर से आग बुझाने में जुट गए। घटना की सूचना डायल 112 को भी दी गई।

आग बुझने के बाद घर के अंदर का मंजर देख परिवार के होश उड़ गए। बिस्तर, कपड़े, खाद्य सामग्री, चारपाई, बर्तन, तख्त, कूलर, वाशिंग मशीन, दरवाजा और स्मार्टफोन समेत अधिकांश घरेलू सामान जल चुका था।

पीड़ित परिवार के अनुसार भैंस खरीदने के लिए जुटाकर रखे करीब डेढ़ लाख रुपये भी आग की चपेट में आ गए। जेवरात के जलकर नष्ट होने की बात भी परिवार ने बताई है। आग के दौरान सिलेंडर में हुए धमाके से मकान की ऊपरी दीवार क्षतिग्रस्त हो गई। ग्रामीणों की काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। परिवार के सदस्यों के समय रहते बाहर निकलने से कोई जनहानि नहीं हुई।

अग्निकांड की जानकारी मिलने पर सामाजिक कार्यकर्ता मित्रसेन, जियालाल प्रजापति, लवकुश निषाद, कन्हैयालाल यादव, राजेश, गोपी निषाद और मृत्युंजय प्रजापति समेत अन्य लोग मौके पर पहुंचे। उन्होंने परिवार को ढांढस बंधाया।

फास्ट न्यूज

रोडवेज बसों के पहियों पर यातायात विभाग की नजर

अंबेडकरनगर। सड़क सुरक्षा को लेकर यातायात विभाग ने रविवार को रोडवेज बसों के चालकों का परीक्षण किया। यातायात प्रभारी जय प्रकाश यादव ने सुरक्षा की दृष्टि से चालकों की जांच कर बस संचालन से जुड़ी व्यवस्थाओं को परखा। इस दौरान सुरक्षित ड्राइविंग और यातायात नियमों के पालन पर जोर दिया गया। यातायात प्रभारी ने रोडवेज बसों के चालकों का परीक्षण किया।

पुलिसकर्मियों ने सीखा आग बुझाने का तरीका

अंबेडकरनगर। हंसवर थाना परिसर में रविवार को अग्निशमन विभाग टांडा की टीम ने पुलिसकर्मियों को आग से बचाव और अग्निशामक यंत्र के इस्तेमाल का प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण दोपहर करीब 1:30 बजे पूरा हुआ। इसका उद्देश्य आग लगने की स्थिति में पुलिसकर्मियों को तत्काल और सुरक्षित तरीके से बचाव कार्य के लिए तैयार करना था। प्रशिक्षण के दौरान फायरमैन अब्दुल कलाम और प्रयागदीन ने अग्निशामक यंत्र के इस्तेमाल का व्यावहारिक प्रदर्शन किया। पुलिसकर्मियों को बताया गया कि आग लगने पर सबसे पहले यंत्र का सेफ्टी लॉक खोलना चाहिए।

रक्तदान के लिए उमड़ा उत्साह

अंबेडकरनगर। रामनगर स्थित मेडसिटी क्लीनिक में शनिवार को नव्या ग्रीन फाउंडेशन की ओर से स्वैच्छिक रक्तदान शिविर लगाया गया। सभी 32 रक्तदाताओं ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। शिविर का शुभारंभ उपजिलाधिकारी आलापुर धर्मेंद्र सिंह और समाजसेवी धर्मवीर सिंह बग्गा ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। रक्त संग्रह की व्यवस्था बीसीटीवी वैन अयोध्या के माध्यम से की गई।

नवोदय में डीएम की दस्तक, बच्चों से पूछा- पढ़ाई कैसी चल रही?

हॉस्टल, किचन और कक्षाओं का लिया जायजा

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जवाहर नवोदय विद्यालय, अकबरपुर में रविवार को जिलाधिकारी ईशा प्रिया पहुंचीं। उन्होंने कक्षाओं से लेकर हॉस्टल और किचन तक का निरीक्षण कर विद्यार्थियों को मिल रही सुविधाओं की पड़ताल की। इस दौरान डीएम ने विद्यार्थियों से सीधे बातचीत की और उनकी पढ़ाई, दिनचर्या व जरूरतों की जानकारी ली।

जिलाधिकारी ने विद्यालय परिसर और कक्षाओं का निरीक्षण किया। इसके बाद बॉयज और गर्ल्स हॉस्टल पहुंचीं। विद्यार्थियों से उनकी कक्षाओं और विषयों के बारे में पूछा। पढ़ाई के दौरान आने वाली दिक्कतों और विद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी भी ली।

बच्चों से संवाद करते हुए उन्होंने नियमित पढ़ाई और समय के सदुपयोग पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अनुशासन, मेहनत और लगातार अध्ययन लक्ष्य हासिल करने की मजबूत नींव हैं।

डीएम ने विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं को सुना और उनकी जरूरतों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि विद्यालय में बेहतर शैक्षिक माहौल और जरूरी संसाधन इसलिए उपलब्ध कराए जाते हैं, ताकि विद्यार्थी अपनी प्रतिभा को आगे बढ़ा सकें।

उन्होंने विद्यालय प्रशासन को हॉस्टल की साफ-सफाई और अनुशासन व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान डीएम ने विद्यालय के किचन का भी जायजा लिया।

जुलूस मार्गों पर बिजली-पानी से लेकर सफाई तक की होगी पड़ताल

बारावफात और जन्माष्टमी को लेकर पीस कमेटी की बैठक

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। बारावफात, श्रीकृष्ण जन्माष्टमी और रक्षाबंधन को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। शनिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय पीस कमेटी की बैठक हुई। जिलाधिकारी ईशा प्रिया की अध्यक्षता और पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह की मौजूदगी में हुई बैठक में जुलूस मार्गों और प्रमुख स्थलों की व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। अधिकारियों, धर्मगुरुओं और नागरिकों से भी सुझाव लिए गए।

अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व ने बताया कि 26 अगस्त को बारावफात और 4 सितंबर को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व मनाया जाएगा। त्योहारों से पहले जिले के सभी थानों में पुलिस और प्रशासन की संयुक्त टीमों ने पीस कमेटी की बैठकें कर तैयारियों की समीक्षा की है। डीएम ने अधिकारियों को जुलूस मार्गों का दोबारा स्थलीय निरीक्षण करने को कहा। उन्होंने साफ किया कि सड़क, बिजली, जल निकासी, प्रकाश या सफाई से जुड़ी समस्या मिले तो उसका समयबद्ध समाधान कराया जाए। त्योहारों के दौरान प्रमुख स्थानों पर मोबाइल टॉयलेट और पानी के टैंकर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। मोबाइल टॉयलेट की सफाई के लिए हर तीन घंटे पर कर्मचारियों की ड्यूटी लगाने को कहा गया।

त्योहारों से पहले प्रशासन ने कसी कमर

सभी स्ट्रीट लाइटों को त्योहारों से पहले दुरुस्त कराने और जुलूस मार्गों पर विशेष सफाई कराने के निर्देश दिए गए। नालियों की सफाई के साथ प्रमुख स्थानों पर चूना और ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव भी कराया जाएगा। एसपी प्राची सिंह ने पुलिस अधिकारियों को धार्मिक आयोजनों के दौरान विशेष सतर्कता बरतने को कहा। उन्होंने निर्धारित सीमा से अधिक आवाज में डीजे बजाने पर रोक सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।

अष्टखंभा स्तूप को मिलेगा पर्यटन स्थल का नया रूप

लोरपुर की ऐतिहासिक धरोहर के विकास का शिलान्यास

तमसा संकेत, संवाददाता

अकबरपुर (अंबेडकरनगर)। लोरपुर स्थित ऐतिहासिक अष्टखंभा स्तूप के पर्यटन विकास का रास्ता साफ हो गया है। रविवार को एमएलसी डॉ. हरिओम पांडेय ने विधि-विधान से भूमि पूजन और शिलान्यास कर विकास कार्यों की शुरुआत की। पर्यटन विभाग ने परिसर के विकास के लिए 1 करोड़ 5 लाख रुपये स्वीकृत किए हैं। परियोजना पूरी होने के बाद यहां आने वाले पर्यटकों को कई बुनियादी सुविधाएं मिलेंगी।

अष्टखंभा स्तूप को पर्यटन की दृष्टि से विकसित करने के लिए एमएलसी डॉ. हरिओम पांडेय पिछले दो वर्षों से प्रयास कर रहे थे। उनके प्रस्ताव पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह के निर्देश के बाद पर्यटन विभाग ने परियोजना के लिए बजट स्वीकृत किया।

विकास कार्य की जिम्मेदारी कार्यदायी संस्था सीएनडीएस (CNDS) को दी गई है। शिलान्यास के साथ ही परियोजना के निर्माण कार्य की औपचारिक शुरुआत हो गई।

परियोजना में पर्यटकों की सुविधा के लिए कई निर्माण कार्य प्रस्तावित हैं। परिसर में सामुदायिक हॉल और सर्वसुविधायुक्त यात्री प्रतीक्षालय बनाया जाएगा। स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था के साथ आधुनिक शौचालय ब्लॉक भी तैयार होगा।

परिसर में आने-जाने के लिए इंटरलॉकिंग पाथवे बनाया जाएगा।

नवोदय में डीएम की दस्तक

हॉस्टल, किचन और कक्षाओं का लिया जायजा, विद्यार्थियों को अनुशासन और नियमित अध्ययन का दिया मंत्र

- बच्चों की जरूरतों पर भी लिया फीडबैक
- किचन में मेन्यू और भोजन की गुणवत्ता देखी
- व्यवस्थाओं में लापरवाही न हो

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जवाहर नवोदय विद्यालय, अकबरपुर में रविवार को जिलाधिकारी ईशा प्रिया पहुंचीं। उन्होंने कक्षाओं से लेकर हॉस्टल और किचन तक का निरीक्षण कर विद्यार्थियों को मिल रही सुविधाओं की पड़ताल की। इस दौरान डीएम ने विद्यार्थियों से सीधे बातचीत की और उनकी पढ़ाई, दिनचर्या व जरूरतों की जानकारी ली।

उन्होंने विद्यालय प्रशासन को हॉस्टल की साफ-सफाई और अनुशासन व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान डीएम ने विद्यालय के किचन का भी जायजा लिया। उन्होंने विद्यार्थियों को दिए जाने वाले भोजन की जानकारी ली। निरीक्षण में निर्धारित मेन्यू के अनुसार भोजन उपलब्ध कराया जाना पाया गया।

उन्होंने भोजन की गुणवत्ता और स्वच्छता बनाए रखने के साथ विद्यार्थियों के स्वास्थ्य और पोषण का ध्यान रखने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने विद्यालय प्रशासन को साफ-सफाई, भोजन, हॉस्टल सुविधाओं और शैक्षिक वातावरण से जुड़ी व्यवस्थाओं को लगातार बेहतर रखने को कहा। उन्होंने विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध सभी सुविधाओं को व्यवस्थित बनाए रखने के निर्देश दिए।

कक्षाओं में पढ़ाई, हॉस्टल में सुविधाएं परखी

जिलाधिकारी ने विद्यालय परिसर और कक्षाओं का निरीक्षण किया। इसके बाद बॉयज और गर्ल्स हॉस्टल पहुंचीं। विद्यार्थियों से उनकी कक्षाओं और विषयों के बारे में पूछा। पढ़ाई के दौरान आने वाली दिक्कतों और विद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी भी ली।

बच्चों से संवाद करते हुए उन्होंने नियमित पढ़ाई और समय के सदुपयोग पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अनुशासन, मेहनत और लगातार अध्ययन लक्ष्य हासिल करने की मजबूत नींव हैं।

> डीएम ने विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं को सुना और उनकी जरूरतों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि विद्यालय में बेहतर शैक्षिक माहौल और जरूरी संसाधन इसलिए उपलब्ध कराए जाते हैं, ताकि विद्यार्थी अपनी प्रतिभा को आगे बढ़ा सकें।

नहाते समय वीडियो बनाने का आरोप वायरल करने की धमकी देकर किशोरी से दुष्कर्म

पीड़िता की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ केस दर्ज, पुलिस तलाश में जुटी

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। महरुआ क्षेत्र के एक गांव में किशोरी का नहाते समय आपत्तिजनक वीडियो बनाने, उसे वायरल करने की धमकी देने और दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने धरमपुर निवासी विकास सिंह उर्फ राकेश के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

पीड़िता ने आरोप लगाया कि इसके बाद आरोपी वीडियो वायरल करने और उसकी मां व भाई को जान से मारने की धमकी देता रहा। इसी दबाव में उसने कई बार दुष्कर्म किया। पीड़िता के अनुसार, आठ अगस्त 2026 को आरोपी ने वीडियो डिलीट करने की बात कहकर उसे बुलाया। वहां उसे पानी पीने के लिए दिया गया। पानी पीने के बाद उसे चक्कर आने लगा और वह बेहोश हो गई। पीड़िता का आरोप है कि होश आने पर वह आरोपी के कब्जे में थी। करीब एक सप्ताह तक उसके साथ दुष्कर्म किया गया। इसके बाद वह किसी तरह घर पहुंची और परिजनों को पूरी घटना बताई। थानाध्यक्ष दौमित्र सेन रावत ने बताया कि किशोरी की तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। आरोपी की तलाश की जा रही है। मामले में पुलिस की ओर से आगे की कार्रवाई की जा रही है।

घर में अकेली थी किशोरी

पीड़िता के मुताबिक, 10 मार्च 2023 को वह घर में नहा रही थी। उस समय उसका छोटा भाई खेलने गया था और मां गांव में थीं। आरोप है कि इसी दौरान विकास सिंह उर्फ राकेश घर में चुपके से घुस आया और नहाते समय उसका आपत्तिजनक वीडियो बना लिया।

किशोरी के अनुसार, अगले दिन आरोपी ने वीडियो बनाए जाने की जानकारी दी। उसने शारीरिक संबंध बनाने से इनकार करने पर वीडियो वायरल करने की धमकी दी। इसके बाद तीसरे दिन घर में किसी के नहीं होने पर आरोपी उसे एकांत स्थान पर ले गया और दुष्कर्म किया।

हाजीपुर में सिंचाई मोटरों पर चोरों की नजर 15 दिन में कई घटनाओं से किसान परेशान

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जहांगीरगंज थाना क्षेत्र के हाजीपुर गांव में पिछले करीब 15 दिनों से सिंचाई पंप और मोटर चोरी की घटनाओं से किसान परेशान हैं। ताजा घटना में खेत पर लगी करीब 14 हजार रुपये कीमत की सिंचाई मोटर चोरी हो गई। लगातार हो रही घटनाओं से ग्रामीणों में चिंता बढ़ गई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

हाजीपुर निवासी प्रियांशु पांडेय ने बताया कि उन्होंने खेत की सिंचाई के लिए मोटर लगा रखी थी। इसका विद्युत कनेक्शन भी उनके नाम पर है। उनके मुताबिक, रात करीब 10 बजे से 12 बजे के बीच अज्ञात लोग खेत पर पहुंचे और मोटर खोलकर ले गए। सुबह खेत पर पहुंचने पर मोटर गायब मिली। इसके बाद पीड़ित ने डायल 112 पर घटना की सूचना दी। बाद में जहांगीरगंज थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ कार्रवाई के लिए प्रार्थना पत्र दिया।

सूचना मिलने पर थाना अध्यक्ष रितेश कुमार पांडेय पुलिस टीम के साथ गांव पहुंचे। टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और घटना से जुड़े तथ्यों की जानकारी ली।

- खेत से 14 हजार रुपये की मोटर चोरी, ग्रामीणों ने बढ़ाई रात्रि गश्त की मांग पुलिस ने शुरू की जांच

थाना अध्यक्ष ने बताया कि मोटर चोरी की घटना की गंभीरता से जांच की जा रही है। जल्द आरोपियों का पता लगाने के लिए पुलिस टीम काम कर रही है। ग्रामीणों के मुताबिक, हाजीपुर गांव में अब तक आधा दर्जन से अधिक सिंचाई मोटर चोरी हो चुकी हैं। इससे किसानों को खेतों की सिंचाई को लेकर परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

सुविधा : बहरामपुर में 235 मीटर नाली और मसेना मिर्जापुर में सड़क लेपन का कार्य पूरा

सड़क और नाली के कामों का लोकार्पण

- बहरामपुर पहुंचने पर सेंट जेवियर्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल के प्रबंध निदेशक बुधिराम यादव और उनके परिजनों ने जिला पंचायत अध्यक्ष का माल्यार्पण कर स्वागत किया।

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। आलापुर क्षेत्र में रविवार को जिला पंचायत अध्यक्ष श्याम सुंदर वर्मा उर्फ साधु वर्मा ने जिला पंचायत से कराए गए विकास कार्यों का लोकार्पण किया। पंद्रहवें वित्त आयोग से बहरामपुर और मसेना मिर्जापुर में कराए गए सड़क और नाली के कार्य पूरे होने के बाद इन्हें ग्रामीणों को समर्पित किया गया। लोकार्पण के दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष श्याम सुंदर वर्मा ने कहा कि क्षेत्र में सड़क, नाली और अन्य मूलभूत सुविधाओं से जुड़े कार्य प्राथमिकता से कराए जा रहे हैं। उन्होंने विकास कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने की बात कही।

उन्होंने कहा कि बुनियादी सुविधाओं से जुड़े कार्यों का सीधा लाभ ग्रामीणों को मिलता है। सड़क और जलनिकासी की व्यवस्था बेहतर होने से लोगों की रोजमर्रा की समस्याएं कम होती हैं। कार्यक्रम में पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष मिथलेश त्रिपाठी, भाजपा जिला मंत्री अभिषेक निषाद और पूर्व जिला महामंत्री शिवपूजन वर्मा ने भी विचार रखे। उन्होंने सड़क और जलनिकासी के कार्यों को ग्रामीण क्षेत्र की जरूरी सुविधाओं से जुड़ा बताया। इस दौरान रमेश उपाध्याय, शमसेर सिंह, अखिलेश त्रिपाठी, शैलेन्द्र कुमार मिश्र, नवीन मिश्र, गुड्डू मिश्र, दुर्गा प्रसाद, संग्राम यादव, प्रेम यादव, बरुण सिंह, विमल जायसवाल, डब्लू मिश्र समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

तालाब तक बनी 235 मीटर नाली

बहरामपुर में सेंट जेवियर्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल से तालाब तक 235 मीटर लंबी नाली का निर्माण कराया गया है। नाली बनने से बारिश के पानी की निकासी में सुविधा मिलने की उम्मीद है। मसेना मिर्जापुर में जहांगीरगंज-बशखारी मुख्य मार्ग से चहोड़ा मुख्य मार्ग तक सड़क लेपन का कार्य कराया गया है। इससे इस मार्ग पर आवागमन पहले की अपेक्षा सुगम होने की उम्मीद है।

अकबरपुर में आज नहीं आएगा पानी तीन वार्डों की सप्लाई रहेगी बंद

ओएचटी की डिलीवरी लाइन में होगा ऑटोमेशन का काम

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। अकबरपुर नगर पालिका क्षेत्र के तीन वार्डों में आज पेयजल आपूर्ति ठप रहेगी। जल निगम (नगरीय) अयोध्या की ओर से ओएचटी की डिलीवरी लाइन में ऑटोमेशन का काम कराया जाएगा। इसके चलते पटेलनगर, शास्त्रीनगर और गांधीनगर वार्ड में करीब 24 घंटे पानी की सप्लाई नहीं होगी।

नगर पालिका के अनुसार ओएचटी की डिलीवरी लाइन में ऑटोमेशन के लिए फ्लोमीटर और स्लूस वाल्व लगाने का कार्य किया जाना है। इसके लिए 23 अगस्त की रात 10 बजे से पेयजल आपूर्ति बंद की जाएगी। कार्य 24 अगस्त की रात 10 बजे तक निर्धारित है।

इस अवधि में तीनों वार्डों में नलों से पानी की आपूर्ति पूरी तरह बंद रहेगी। ऐसे में लोगों को काम शुरू होने से पहले ही अपनी जरूरत के मुताबिक पानी की व्यवस्था करनी होगी। पेयजल आपूर्ति बंद रहने से पटेलनगर, शास्त्रीनगर और गांधीनगर वार्ड प्रभावित होंगे। नगर पालिका ने लोगों को पहले से पानी का स्टॉक रखने की जानकारी दी है। खासकर पीने और घरेलू इस्तेमाल के लिए पर्याप्त पानी की व्यवस्था करने को कहा गया है। नगर पालिका के ईओ राजमणि वर्मा ने बताया कि निर्धारित कार्य पूरा होने के बाद 25 अगस्त से पेयजल आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी।

- 23 अगस्त रात 10 बजे से 24 अगस्त रात 10 बजे तक प्रभावित रहेगी आपूर्ति

सम्पादकीय

सरकारी विद्यालयों की दशा

यह अच्छा है कि विभिन्न कारणों से सरकारी स्कूलों की दशा की ओर ध्यान आकृष्ट हुआ है। कहीं सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले छात्र ही उनकी समस्याएं उजागर कर रहे हैं तो कहीं काकरोच जनता पार्टी के कार्यकर्ता उनकी हालत बयान कर रहे हैं। हालांकि वे ऐसा संकीर्ण राजनीतिक इरादों से करते दिख रहे हैं, लेकिन उनकी स्थिति पर चर्चा छिड़ना इसलिए उचित है, क्योंकि उनमें पठन-पाठन की उपयुक्त व्यवस्था करने की सख्त जरूरत है।

एक समय अधिकांश बच्चे सरकारी स्कूलों पर ही निर्भर थे। तब उनकी स्थिति अपेक्षाकृत संतोषजनक थी, लेकिन जैसे-जैसे निजी विद्यालय खुलते गए, वे उपेक्षित होते गए। हालांकि सरकारें उन पर धन खर्च कर रही हैं, लेकिन इस पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है कि उसका समुचित इस्तेमाल हो रहा है या नहीं? जब समय के साथ सरकारी विद्यालयों की दशा सुधरनी चाहिए थी, तब ऐसे सरकारी विद्यालयों और विशेष रूप से प्राइमरी विद्यालयों की गिनती करना कठिन है, जिनके पास उपयुक्त भवन ही नहीं हैं।

न जाने कितने सरकारी विद्यालय जर्जर इमारतों में चल रहे हैं। कुछ तो ऐसे हैं, जिनके पास भवन के नाम पर कुछ है ही नहीं। इसके अतिरिक्त तमाम ऐसे सरकारी स्कूल भी हैं, जिनमें सामान्य बुनियादी सुविधाओं का भी टोटा है।

समस्या केवल इतनी ही नहीं है कि सरकारी विद्यालयों के पास ढंग के भवन, पीने के पानी की सुविधा और शौचालय सरीखी बुनियादी सुविधाएं नहीं है। समस्या यह भी है कि वे शिक्षकों के अभाव से भी जूझ रहे हैं। इस तथ्य की अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि बहुत से सरकारी विद्यालयों में केवल एक ही शिक्षक है। आखिर संसाधनों से विहीन स्कूलों में पढ़ने वाले छात्र सही तरीके से शिक्षित कैसे हो पाएंगे?

चूंकि सरकारी स्कूलों की दुर्दशा दूर होने का नाम नहीं ले रही है, इसलिए लोग अपने बच्चों को वहां पढ़ाने से कतराते हैं और आर्थिक कठिनाइयों का सामना करने के बावजूद उन्हें निजी विद्यालयों में भेजने के लिए विवश होते हैं। आमतौर पर वही अभिभावक सरकारी विद्यालयों में अपने बच्चों को भेजते हैं, जिनके पास इसके अलावा और कोई उपाय नहीं होता। वैसे तो इसके पहले भी सरकारी विद्यालयों की दुर्दशा सामने आती रही है, लेकिन चिंता की बात यह है कि वह दूर होने का नाम नहीं ले रही है। राज्य सरकारों को इसके लिए सक्रिय होना होगा कि सरकारी स्कूलों की दशा सुधरे और उनमें पठन-पाठन का स्तर ऐसा हो कि लोगों को मजबूरी में निजी विद्यालयों की ओर रुख न करना पड़े। इस मामले में केंद्र सरकार को भी यह देखना चाहिए कि राज्य सरकारें उदाहरण पेश करें। यदि भारत को वास्तव में विकसित देश बनाना है तो इसका एक उपाय शिक्षा की बुनियाद ठीक करना है।

दिमागी नक्सली की बहस और लाल किले से निकले शब्दों की चुभन

66

प्रधानमंत्री के भाषणों की एक विशेषता यह रही है कि वे अक्सर राजनीतिक संदेश के साथ सामाजिक और राष्ट्रीय अभियान का आह्वान भी करते हैं। लाल किले से दिए गए भाषण का महत्व इसी कारण बढ़ जाता है।

लोकतंत्र में शब्दों की अपनी शक्ति होती है। शब्द कभी भरोसा पैदा करते हैं, कभी चेतावनी देते हैं, कभी उम्मीद जगाते हैं और कभी राजनीतिक बहस को इतना तीखा बना देते हैं कि उनके अर्थ से अधिक उनके इस्तेमाल पर चर्चा होने लगती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त 2026 को लाल किले की प्राचीर से अपने संबोधन में देश की आंतरिक चुनौतियों, राष्ट्रविरोधी सोच, विकास और राष्ट्रीय एकता से जुड़े कई मुद्दे उठाए। इसी क्रम में यदि उन्होंने ₹दिमागी नक्सली₹ जैसे शब्द का इस्तेमाल किया, तो यह स्वाभाविक है कि उस पर राजनीतिक और सामाजिक बहस हो। प्रश्न यह है कि आखिर ₹दिमागी नक्सली₹ से तात्पर्य क्या है और लाल किले जैसे सर्वोच्च राष्ट्रीय मंच से निकला यह शब्द विरोधियों को क्यों चुभ रहा है? सबसे पहले यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि दिमागी नक्सली कोई सामान्य कानूनी या संवैधानिक श्रेणी नहीं है। इसे मुख्यतः राजनीतिक और वैचारिक संदर्भ में इस्तेमाल किया जाने वाला शब्द माना जा सकता है। सामान्य अर्थ में इसका प्रयोग उन लोगों के लिए किया जाता है जिन पर आरोप लगाया जाता है कि वे हिंसक नक्सली विचारधारा, राज्य-विरोधी सोच या लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति अविश्वास को वैचारिक स्तर पर बढ़ावा देते हैं, भले ही वे स्वयं हथियार उठाकर हिंसा में शामिल न हों लेकिन यहीं से असली बहस शुरू होती है। किसी व्यक्ति की सरकार से असहमति, किसी नीति का विरोध, किसी आंदोलन का समर्थन अथवा सत्ता की आलोचना को सीधे दिमागी नक्सलवाद कह देना लोकतांत्रिक विमर्श के लिए उचित नहीं माना जा सकता। लोकतंत्र में सरकार की आलोचना देशद्रोह नहीं है और विपक्षी विचार रखना राष्ट्रविरोध नहीं है। दूसरी ओर, यदि कोई व्यक्ति या संगठन वास्तव में हिंसा, अलगाववाद, संवैधानिक व्यवस्था को हिंसक तरीके से गिराने या प्रतिबंधित उग्रवादी संगठनों के समर्थन में सक्रिय है, तो उसकी विचारधारा पर गंभीर प्रश्न उठना भी स्वाभाविक है।यानी फर्क करना जरूरी है—असहमति और हिंसक विचारधारा में, आलोचना और राष्ट्रविरोध में, विपक्ष और उग्रवाद में। लाल किले की प्राचीर केवल भाषण देने का मंच नहीं है। यह भारत की स्वतंत्रता, संविधान, लोकतंत्र और करोड़ों नागरिकों की आकांक्षाओं का प्रतीक है। इसलिए वहां से प्रधानमंत्री के मुख से निकला प्रत्येक शब्द राजनीतिक बयान से कहीं अधिक महत्व रखता है। जनता उसके शब्दों में सरकार की दिशा और भविष्य की प्राथमिकताओं का संकेत खोजती है। यही कारण है कि प्रधानमंत्री द्वारा इस्तेमाल किए गए किसी भी तीखे या असामान्य शब्द पर राजनीतिक प्रतिक्रियाएं तेज हो जाती हैं। विरोधियों को दिमागी नक्सली शब्द चुभने का एक बड़ा कारण यह हो सकता है कि राजनीतिक दलों और विचारधाराओं के बीच पहले से ही अविश्वास की खाई गहरी है। जब सत्ता पक्ष किसी विचारधारा या समूह पर गंभीर आरोप लगाने वाली भाषा का इस्तेमाल करता है, तो विपक्ष को आशंका होती है कि कहीं असहमति की व्यापक श्रेणी को ही राष्ट्रविरोध के दायरे में तो नहीं लाया जा रहा। यही आशंका राजनीतिक विवाद को जन्म देती है। लेकिन इस बहस का दूसरा पहलू भी उतना ही महत्वपूर्ण है। भारत ने दशकों तक नक्सल हिंसा की चुनौती झेली है। जंगलों और आदिवासी क्षेत्रों में हिंसा, सुरक्षा बलों पर हमले, विकास कार्यों में बाधा और निर्दोष नागरिकों की मौत ने अनेक परिवारों को प्रभावित किया। नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई केवल बंदूक से नहीं लड़ी जा सकती। इसके लिए विकास, शिक्षा, रोजगार, प्रशासनिक पहुंच, न्याय और स्थानीय लोगों का विश्वास भी आवश्यक है। यहीं दिमागी नक्सलवाद जैसी अवधारणा पर गंभीर विमर्श की जरूरत पड़ती है। यदि किसी हिंसक विचारधारा का प्रभाव समाज में वैचारिक स्तर पर फैलता है, तो उसका मुकाबला लोकतांत्रिक और संवैधानिक मूल्यों के माध्यम से किया जाना चाहिए। लेकिन इस काम में सबसे बड़ा हथियार तर्क और संवाद होना चाहिए, लेबल नहीं। भारत की ताकत ही उसकी विविधता है। यहां वामपंथी विचार भी हैं, दक्षिणपंथी विचार भी हैं, समाजवादी विचार भी हैं, उदारवादी विचार भी हैं और अनेक क्षेत्रीय राजनीतिक धाराएं भी हैं। इनमें से हर विचार से सहमत होना संभव नहीं लेकिन हर असहमति को देशविरोधी बताना लोकतांत्रिक परंपरा को कमजोर कर सकता है। वास्तविक चुनौती यह है कि देश विरोधी हिंसक गतिविधियों और लोकतांत्रिक असहमति के बीच स्पष्ट रेखा कैसे खींची जाए। यदि यह रेखा धुंधली होती है तो राजनीतिक शब्दावली समाज को बांट सकती है। यदि यह रेखा स्पष्ट रहती है तो सुरक्षा और लोकतंत्र दोनों मजबूत होते हैं। यह अवसर केवल सरकार की उपलब्धियां गिनाने का नहीं, बल्कि देश के सामने मौजूद चुनौतियों को व्यापक राष्ट्रीय दृष्टिकोण से रखने का भी होता है।इसलिए प्रधानमंत्री के किसी कथन को केवल राजनीतिक चश्मे से देखने के बजाय उसके व्यापक संदर्भ को समझना चाहिए। यदि दिमागी नक्सली शब्द का उद्देश्य हिंसक विचारधारा के वैचारिक समर्थकों की ओर संकेत करना है, तो सरकार को यह भी स्पष्ट करना चाहिए कि उसकी परिभाषा क्या है। कौन व्यक्ति या कौन-सी गतिविधि इस श्रेणी में आती है? क्या केवल सरकार की आलोचना करने वाला व्यक्ति भी इसके अंतर्गत आएगा? क्या किसी नीति का विरोध करने वाला नागरिक भी इसमें शामिल होगा? इन प्रश्नों के स्पष्ट उत्तर लोकतांत्रिक समाज में बेहद जरूरी हैं। क्योंकि शब्द जितना बड़ा मंच पाता है, उसकी जिम्मेदारी भी उतनी ही बड़ी होती है। विपक्ष की भी जिम्मेदारी कम नहीं है। यदि सरकार किसी गंभीर आंतरिक सुरक्षा चुनौती की ओर ध्यान आकर्षित करती है, तो हर बात को केवल राजनीतिक हमला बताकर खारिज कर देना भी उचित नहीं। भारत में नक्सली हिंसा की वास्तविकता रही है और देश ने इसकी कीमत चुकाई है। इसलिए यदि सरकार वैचारिक स्तर पर हिंसक उग्रवाद के विस्तार की बात करती है तो विपक्ष को तथ्यों के आधार पर जवाब देना चाहिए लेकिन विपक्ष को यह सुनिश्चित करने का अधिकार भी है कि लोकतांत्रिक असहमति को अपराध या राष्ट्रविरोध का पर्याय न बनाया जाए।

सौरभ वार्ष्णेय

तिब्बत का सवाल...

कुमार कृष्णन

तिब्बत: जब पहचान पर सत्ता भारी पड़ने लगे

किसी समाज की पहचान केवल उसकी सीमाओं से नहीं बनती। भाषा, संस्कृति, धर्म, परंपरा और सामूहिक स्मृतियां भी उसके अस्तित्व का आधार होती हैं। इसलिए जब राजनीतिक सत्ता और सांस्कृतिक पहचान के बीच टकराव बढ़ता है, तो विवाद केवल भूगोल का नहीं रह जाता। वह मनुष्य के अधिकार, सम्मान और अस्तित्व का प्रश्न बन जाता है। तिब्बत आज इसी सवाल के बीच खड़ा है।

20 अगस्त 2026 को धर्मशाला में काशाग और निर्वासित तिब्बती संसद ने लोबगा राङचेन की मृत्यु के 49वें दिन प्रार्थना सभा और शांति पदयात्रा आयोजित की। राङचेन ने 2 जुलाई को न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय के सामने आत्मदाह किया था। कार्यक्रम में सिक्योंग पेनपा त्सेरिंग ने काशाग का वक्तव्य प्रस्तुत किया। पदयात्रा में चीन की तिब्बत नीति और 1 जुलाई से लागू हुए 'जातीय एकता और प्रगति कानून' के खिलाफ शांतिपूर्ण विरोध दर्ज कराया गया।

पेनपा त्सेरिंग ने राङचेन की मृत्यु को तिब्बती प्रश्न की गंभीरता से जोड़ते हुए तिब्बतियों की भाषा, संस्कृति, धर्म और पहचान पर बढ़ते दबाव की चिंता व्यक्त की। लेकिन इस पूरे प्रसंग का सबसे संवेदनशील पक्ष आत्मदाह है। किसी राजनीतिक उद्देश्य के लिए जीवन समाप्त करना समाधान नहीं हो सकता। यह पहले

एक मानवीय त्रासदी है। सवाल यह है कि कोई व्यक्ति ऐसी निराशा की स्थिति में क्यों पहुंचता है, जहां उसे अपनी आवाज सुनाने के लिए अपने जीवन की कीमत चुकानी पड़ती है। चीन नए कानून को राष्ट्रीय एकता, सामाजिक स्थिरता और विभिन्न जातीय समुदायों के बीच सहयोग की व्यवस्था के रूप में देखता है। तिब्बती नेतृत्व की चिंता इसके विपरीत है। उसका कहना है कि इससे तिब्बती भाषा, संस्कृति, धर्म और सामाजिक जीवन पर सरकारी नियंत्रण बढ़ सकता है। इस मतभेद को भावनाओं के बजाय तथ्य और स्वतंत्र जांच के आधार पर समझना जरूरी है।

राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक एकरूपता एक नहीं हैं। दुनिया के अनेक देशों में अलग-अलग भाषाओं और संस्कृतियों वाले समुदाय अपनी विशिष्ट पहचान बनाए रखते हुए एक राष्ट्र का हिस्सा हैं। मजबूत राष्ट्र वह नहीं जो अपनी विविधता मिटा दे, बल्कि वह है जो विविधता के भीतर एकता कायम करे।

तिब्बती नेतृत्व का दावा है कि बड़ी संख्या में तिब्बती बच्चे आवासीय विद्यालयों में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं, जहां उनकी मातृभाषा और सांस्कृतिक वातावरण से दूरी बढ़ रही है। शिक्षा में चीनी भाषा को बढ़ती प्राथमिकता मिलने को लेकर भी चिंता जताई गई है। इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि आवश्यक है। लेकिन भाषा के महत्व को समझने के लिए किसी राजनीतिक पक्ष की पुष्टि की जरूरत नहीं। भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं होती। उसमें किसी समाज का इतिहास, साहित्य, लोकस्मृति और जीवन-दर्शन सुरक्षित रहता है। किसी समुदाय की मातृभाषा यदि शिक्षा और सार्वजनिक जीवन में लगातार कमजोर होती है, तो उसके साथ सांस्कृतिक स्मृति भी कमजोर पड़ सकती है।

तिब्बती बौद्ध धर्म का प्रश्न भी इसी से जुड़ा है। तिब्बत में धर्म निजी आस्था से आगे बढ़कर सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन का आधार है। मठ, धार्मिक शिक्षा और आध्यात्मिक परंपराएं तिब्बती पहचान से जुड़ी हैं। तिब्बती नेतृत्व लंबे समय से धार्मिक संस्थाओं और धार्मिक नेतृत्व में सरकारी हस्तक्षेप का आरोप लगाता रहा है।

धार्मिक स्वतंत्रता का अर्थ केवल पूजा करने की अनुमति नहीं है। इसमें धार्मिक संस्थाओं, परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रखने की स्वतंत्रता भी शामिल है। इसलिए तिब्बत में धार्मिक स्वतंत्रता का मूल्यांकन केवल धार्मिक स्थलों की मौजूदगी से नहीं, बल्कि धार्मिक संस्थाओं की स्वतंत्रता और सांस्कृतिक निरंतरता से भी होना चाहिए।

हालांकि इस विषय में सावधानी जरूरी है। तिब्बती निर्वासन प्रशासन के आरोपों को अंतिम सत्य मानना उचित नहीं होगा, जैसे चीनी सरकार के दावों को बिना जांच स्वीकार करना भी उचित नहीं है। तिब्बत जैसे संवेदनशील प्रश्न में स्वतंत्र तथ्य-जांच सबसे महत्वपूर्ण है।

तिब्बत का सवाल केवल भाषा, धर्म और राजनीति तक सीमित नहीं है। उसका पर्यावरणीय पक्ष भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। तिब्बती पठार एशिया की अनेक प्रमुख नदियों का उद्गम क्षेत्र है। वहां बांध, खनन और बड़े बुनियादी ढांचे की परियोजनाओं का असर तिब्बत से बाहर तक जा सकता है। भारत सहित कई देशों की जल और पर्यावरण सुरक्षा हिमालयी पारिस्थितिकी से जुड़ी है।

भारत के लिए तिब्बत इसलिए केवल दूर का भू-राजनीतिक मुद्दा नहीं है। सीमा सुरक्षा, जल संसाधन, हिमालयी पर्यावरण और सदियों पुराने सांस्कृतिक संबंध इसे सीधे भारतीय हितों से जोड़ते हैं।

राजनीतिक...

राजेश श्रीवास्तव

यूपी में योगी को फ्री हैंड, केशव केंद्र में मंत्री,तो असीम हो सकते हैं डिप्टी सीएम

भाजपा का संगठनात्मक बदलाव काफी देरी से हुआ है, लेकिन यह 'देर आए दुरुस्त आए' जैसा है। जेन-जी के सफल आंदोलनों ने सरकार और संगठन दोनों को परेशान किया, जिसके बाद पीएम मोदी ने वीडियो जारी कर नई पीढ़ी को संबोधित किया। नई टीम में 65 में से 51 नए चेहरे लाकर संगठन को ऊर्जावान बनाने की कोशिश की गई है। इसके साथ ही, अनुभवी विनोद तावड़े और सुनील बंसल को बरकरार रखा गया है। सोशल मीडिया टीम में बदलाव कर आक्रामक चेहरों को लाया गया है। इस पूरी नई टीम में संघ का प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई देता है लेकिन इस दौरान जो सबसे स्पष्ट संकेत मिले हैं उससे लगता है कि अब यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को इस बार चुनाव में पूरी पावर मिलने जा रही है। वह न केवल मुख्यमंत्री के रूप में सरकार का चेहरा होंगे बल्कि उनकी बनायी रणनीति पर ही भाजपा अमल करेगी। जबकि केशव मौर्य को डिप्टी सीएम पद से हटाकर केंद्र में मंत्री बनाने और असीम अरुण को डिप्टी सीएम बनाने की कवायद भी तेज चल रही है। जानकारी के अनुसार लोकसभा चुनावों में मिली हार से सबक लेते हुए उत्तर प्रदेश में बीजेपी ने एक अहम फैसला लिया है। आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए शीर्ष नेतृत्व ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को 'फ्री हैंड' दे दिया है। 2027 विधानसभा चुनाव में उम्मीदवारों के चयन से लेकर चुनावी रणनीति बनाने की जिम्मेदारी सीधे अब योगी के हाथों में होगी। सूत्रों के हवाले से मीडिया रिपोर्ट में इसका दावा किया जा रहा है। लोकसभा, विधानसभा या राज्यसभा चुनाव के लिए अब तक भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व ही उम्मीदवारों के नाम पर आखिरी फैसला लेता था। हालांकि, एनडीए के सहयोगी दलों अपना दल (एस) आरएलडी, निषाद पार्टी और सुभासपा के साथ सीटों के बंटरवारे का फैसला केंद्रीय नेतृत्व ही करेगा। सूत्रों के अनुसार, उत्तर प्रदेश बीजेपी के नए प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े के सीएम योगी से अच्छे संबंध माने जाते हैं। विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री से बेहतर तालमेल के लिए ही उन्हें यूपी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि 2024 लोकसभा चुनाव से पहले सीएम योगी ने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को एक लिस्ट सौंपी थी। इस लिस्ट में 24 से ज्यादा सांसदों के टिकट काटकर नए उम्मीदवारों को टिकट देने की बात कही गई थी। हालांकि, केंद्रीय नेतृत्व ने इसे मानने से इनकार कर दिया था। भाजपा ने 64 में से 47 सांसदों को दोबारा उम्मीदवार बनाया, लेकिन 47 में से 26 सांसद चुनाव हार हार गए। उत्तर प्रदेश में भाजपा केवल 33 सीटों पर सिमट गई। जिसका नतीजा यह हुआ कि केंद्र में पार्टी को अपने दम पूर्ण बहुमत नहीं मिल सका। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और पार्टी के एक बड़े धड़े ने इस पर गंभीर सवाल उठाए थे और पार्टी पर योगी की सलाह न मानने पर विरोध भी जताया था। सूत्रों के अनुसार, बीजेपी टिकट बंटवारे के लिए इस बार कोर कमेटी का गठन करेगी। इसमें उम्मीदवारों के नाम पर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, संगठन महामंत्री धर्मपाल सिह, आरएस-एस के क्षेत्र प्रचारक अनिल कुमार, महेंद्र कुमार और दोनों उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक अपनी राय रखेंगे हालांकि, आखिरी फैसला मुख्यमंत्री योगी ही लेंगे।

निःशुल्क की कीमत

यह मानव जीवन का सत्य हैं की अगर कोई चीज़ हमें आराम से बिना श्रम के मिल जाती हैं तो हम कभी - कभी इन चीज़ों के प्रति इतने लापरवाह हो जातें हैं की उसकी उपयोगिता भी हमारे ध्यान में नहीं रहती हैं । जैसे - साँस हमको आसानी से मिल रही हैं लेकिन हम आयें दिन प्रकृति का दोहन कर रहे हैं और उसकी शुद्धता भी कम करते जा रहे हैं इसके साथ में जो धुल - मिट्टी के जो कण हमने पैदा किये हैं वो हमारे शरीर में जा रहे हैं साथ में उसको हमने महसूस किया क्या ? नहीं या किया भी तो अपने स्वार्थ पूर्ति में उसकी हम अनदेखी करते जा रहे हैं । इसी तरह और भी उदाहरण हैं जिसको हम जानते , बुझते , समझते , अनजाने आदि में अनदेखा करते जा रहे हैं । यह जो स्थितयाँ हम पैदा करते जा रहे है । वो चिंतनीय बनती जा रही हैं । माटी महके-पंछी चहके उतरे स्वर्ग विहान.. प्रकृति उपहार प्रकृति के ऐसा भयावह दोहन हो रहा हैं । पर्वतों के शिखरों को तोड़-तोड़ कर पत्थर (मार्बल , ग्रेनाईट आदि) हमने चलन में ख़ूब - ख़ूब कर रखे है ।हरियाली जंगल की हर ली हमने ही अपनी महत्वाकांक्षाओ में वन को हमने वीरान बना दिया है और उस वन में ऊँचे ऊँचे फ़्लैटो की बिल्डिंग बनाकर बहुत इतरा के स्वयं हम बैठे है । वीरान हो गये जंगल और प्रकृति की शुद्ध हवा , पक्षियों का कलरव आदि भी अब तो केवल सर्वत्र आदमियों के ही जंगल भरे हैं । प्रकृति के इस निःशुल्क उपहार की हमने क्या हालत कर दी हैं...?? पंछी का हाल बेहाल हो गया हैं क्योंकि मनुष्य के दूषण से जीना हुआ मुहाल । वायु को प्रदूषित करने में लाज ना आइ तनिक भी हमको हम बन गये हैं दानव सरताज । नदियाँ थी संजीवनी उनको हमने कचरा,मैला आदि डाल - डाल कर दिया हैं व कर रहे हैं मलिन नीर । पंछी तो पानी चोंच भरकर पीकार उड़ जाता है, परन्तु हमारी लिप्सा पानी व्यर्थ बहे । दिमाग की हर खिड़की मूँद ली हमने भर-भर पत्थर ईट,पंछी के घर छीन लिए जो पेड़ पर बसेरा कर खुले आकाश में उड़ते,धरती मैली नही करते-थोड़े जल आस से तो करनी है हमें जीवन कि रक्षा पर्यावरण की करो सुरक्षा।

› प्रदीप छाजेड़

जरा हटके

डिजिटल तकनीक...

आशीष सिंह

मार्गदर्शी ऐप से उत्तर प्रदेश में सुरक्षित, सुगम और स्मार्ट सार्वजनिक परिवहन की नई पहल

उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (यूपीएस-आरटीसी) ने यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा और पारदर्शिता को ध्यान में रखते हुए 'मार्गदर्शी ऐप' की शुरुआत की है। सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को डिजिटल तकनीक से जोड़ने वाली यह पहल यात्रियों को बस यात्रा से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी एक ही मंच पर उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे यात्रियों को न केवल यात्रा की बेहतर योजना बनाने में सहायता मिलेगी, बल्कि बसों की वास्तविक समय स्थिति, आगमन का अनुमानित समय और मार्ग संबंधी जानकारी भी आसानी से प्राप्त हो सकेगी। परिवहन विभाग के मार्गदर्शी ऐप की सबसे महत्वपूर्ण विशेषताओं में से एक रियल-टाइम ट्रैकिंग है। यात्री मोबाइल ऐप के माध्यम से अपनी बस की वर्तमान स्थिति देख सकते हैं और उसके निर्धारित स्टॉप पर पहुंचने के अनुमानित समय की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इससे यात्रियों को बस के इंतजार में अनावश्यक समय बिताने से राहत मिलेगी और वे अपनी यात्रा को अधिक व्यवस्थित ढंग से तय कर सकेंगे। इस ऐप के माध्यम से यात्रियों को अपने आसपास स्थित बस स्टॉप तथा विभिन्न मार्गों की जानकारी भी मिल सकेगी। दो स्टॉपेज के बीच उपलब्ध बस सेवाओं और उनके समय की जानकारी प्राप्त होने से यात्रियों के लिए उपयुक्त बस का चयन करना आसान होगा। यह सुविधा विशेष रूप से उन यात्रियों के लिए उपयोगी होगी जो किसी नए शहर या क्षेत्र में सार्वजनिक परिवहन का उपयोग कर रहे हैं।

डिजिटल तकनीक के माध्यम से बस संचालन को अधिक पारदर्शी बनाने पर भी जोर दिया गया है। मोबाइल

उ0प्र0 परिवहन निगम
आपका अपना साथी

ऐप और वेब एप्लिकेशन के माध्यम से यात्री बस की स्थिति, संभावित देरी और महत्वपूर्ण घोषणाओं की वास्तविक समय जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। इस व्यवस्था से यात्रियों को बस के समय में होने वाले बदलावों की जानकारी पहले ही मिल सकेगी। परिणामस्वरूप वे अपनी यात्रा की योजना में आवश्यक बदलाव कर सकेंगे और समय की बचत होगी। सार्वजनिक परिवहन के प्रति यात्रियों का विश्वास बढ़ाने में भी ऐसी डिजिटल सुविधाओं की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। मार्गदर्शी ऐप की एक प्रमुख विशेषता यात्रियों की सुरक्षा से जुड़ी डिजिटल व्यवस्था है। ऐप में डिजिटल एसओएस बटन की सुविधा दी गई है, जिसके माध्यम से आकस्मिक या आपातकालीन स्थिति में सहायता के लिए डायल-112 से सीधे संपर्क किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त बसों में पैनिक बटन की व्यवस्था भी सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। किसी आपात स्थिति में यात्री तत्काल सहायता प्राप्त करने के लिए इस व्यवस्था का उपयोग कर सकते हैं। इससे यात्रियों, विशेषकर महिलाओं और अन्य संवेदनशील वर्गों के लिए सार्वजनिक परिवहन को अधिक सुरक्षित बनाने की दिशा में मदद मिल सकती है। बसों में उपलब्ध सुरक्षा व्यवस्था यात्रियों के साथ-साथ पुलिस और आपातकालीन सेवाओं के बीच त्वरित समन्वय को भी बढ़ावा दे सकती है। आपात स्थिति में सूचना तेजी से संबंधित एजेंसियों तक पहुंचने से सहायता उपलब्ध कराने की प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। मार्गदर्शी की सेवाओं को मोबाइल ऐप के साथ-साथ वेब एप्लिकेशन के माध्यम से भी उपलब्ध कराने का उद्देश्य डिजिटल पहुंच को व्यापक बनाना है। यात्री अपनी आवश्यकता के अनुसार मोबाइल फोन या वेब माध्यम से सेवाओं का उपयोग कर सकते हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर बसों और मार्गों की जानकारी उपलब्ध होने से यात्रा की योजना बनाना आसान होगा। यात्रियों को बस स्टैंड पहुंचने से पहले ही उपलब्ध सेवाओं और संभावित समय की जानकारी मिल सकेगी, जिससे सार्वजनिक परिवहन के उपयोग का अनुभव अधिक सुविधाजनक और व्यवस्थित बनाया जा सकेगा। उत्तर प्रदेश जैसे विशाल राज्य में करोड़ों लोग प्रतिदिन सार्वजनिक परिवहन पर निर्भर रहते हैं। ऐसे में परिवहन सेवाओं को डिजिटल तकनीक से जोड़ना यात्रियों की जरूरतों के अनुरूप व्यवस्था विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। मार्गदर्शी ऐप के माध्यम से रियल-टाइम जानकारी, डिजिटल फीडबैक, आपातकालीन सहायता, बस ट्रैकिंग और मार्ग संबंधी जानकारी जैसी सुविधाओं को एक मंच पर लाने का प्रयास किया गया है। इससे यात्रियों को बेहतर जानकारी मिलने के साथ-साथ परिवहन निगम के संचालन में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने में भी मदद मिल सकती है। यूपीएस-आरटीसी की मार्गदर्शी ऐप पहल सार्वजनिक परिवहन को अधिक सुरक्षित, सुविधाजनक, पारदर्शी और तकनीक-सक्षम बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। बस की वास्तविक समय स्थिति से लेकर अनुमानित आगमन समय, मार्ग और स्टॉपेज की जानकारी, सुझाव एवं शिकायत की सुविधा तथा डिजिटल एसओएस जैसी सुरक्षा व्यवस्थाएं यात्रियों के अनुभव को बेहतर बनाने की क्षमता रखती हैं। विशेष रूप से महिलाओं की सुरक्षा और आपात-कालीन परिस्थितियों में त्वरित सहायता की व्यवस्था इस पहल को और महत्वपूर्ण बनाती है। यदि इन डिजिटल सेवाओं का प्रभावी संचालन, नियमित अद्यतन और यात्रियों की प्रतिक्रिया के आधार पर निरंतर सुधार सुनिश्चित किया जाता है, तो मार्गदर्शी ऐप उत्तर प्रदेश की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को आधुनिक और यात्री-केंद्रित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

कांवड़ियों की भारी भीड़ देखकर जापानी दल ने योगी सरकार के क्राउड मैनेजमेंट को सराहा

'ग्रीन हाइड्रोजन समेत कई क्षेत्रों में काम करेंगे यूपी-यामानाशी'

यामानाशी के गवर्नर ने जापानी प्रतिनिधिमंडल के साथ किए बाबा विश्वनाथ के दर्शन

सावन के पवित्र मास में बाबा विश्वनाथ का आशीर्वाद लेने पहुंचे जापानी दल के सदस्य काशी में कांवड़ियों और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखकर अभिभूत नजर आए। उन्होंने योगी सरकार की ओर से श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए की गई व्यवस्थाओं, विशेषकर क्राउड मैनेजमेंट की भरपूर सराहना की। जापानी मेहमानों ने भव्य और दिव्य बाबा विश्वनाथ धाम की आध्यात्मिक आभा को भी निहारा। प्रतिनिधिमंडल ने काशी में आध्यात्मिक विरासत और आधुनिक विकास के समन्वय को करीब से देखा और श्रद्धालुओं के लिए की गई व्यवस्थाओं की प्रशंसा की।

प्रशंसा

तमसा संकेत, संवाददाता

जापानी मेहमानों ने भव्य और दिव्य बाबा विश्वनाथ धाम की आध्यात्मिक आभा को भी निहारा

मेहमानों का मंदिर पहुंचने पर रुद्राक्ष की माला और अंगवस्त्र पहनाकर किया गया स्वागत

वाराणसी। यामानाशी प्रीफेक्चर के गवर्नर कोटारो नागासाकी ने कहा कि उत्तर प्रदेश, यामानाशी प्रांत और जापान के बीच संबंधों को लंबे समय तक और अधिक मजबूत बनाया जाएगा। हम मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ मिलकर कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग को आगे बढ़ाना चाहते हैं। इनमें से एक महत्वपूर्ण पहल ग्रीन हाइड्रोजन सिस्टम के माध्यम से उत्तर प्रदेश और यामानाशी प्रांत के विकास को बढ़ावा देना है। इसके साथ ही हमारी इच्छा ऊर्जा सुरक्षा के माध्यम से विश्व शांति की स्थापना में भी योगदान देने की है। यामानाशी गवर्नर रविवार को जापानी प्रतिनिधिमंडल के साथ बाबा विश्वनाथ के दर्शन करने के उपरांत मीडिया से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यहां आकर आप सभी की ईश्वर के प्रति श्रद्धा और सम्मान की भावना स्पष्ट रूप से महसूस हुई। मैंने भी यहां ईश्वर से विश्व शांति के लिए प्रार्थना की है। जापानी प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को भगवान बुद्ध की उपदेश-स्थली सारनाथ का भ्रमण किया। इसके बाद शाम को नमो घाट पर गंगा आरती में शामिल होकर जापानी मेहमानों ने काशी की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत की अनुभूति की।

बाबा विश्वनाथ के दर्शन पूजन किए और उनका आशीर्वाद लिया

कोटारो नागासाकी के नेतृत्व में जापानी प्रतिनिधिमंडल के करीब 15 प्रमुख सदस्यों ने श्री काशी विश्वनाथ धाम पहुंचकर बाबा विश्वनाथ के दर्शन-पूजन किए और उनका आशीर्वाद लिया। मंदिर न्यास के एसडीएम शंभू शरण ने बताया कि जापानी मेहमानों का मंदिर पहुंचने पर रुद्राक्ष की माला और अंगवस्त्र पहनाकर स्वागत किया गया। मंदिर में जापानी मेहमानों को देखकर श्रद्धालुओं ने "हर-हर महादेव" के उद्घोष के साथ उनका स्वागत किया। जापानी प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने भी श्रद्धालुओं के साथ "हर-हर महादेव" का जयघोष किया। इस दौरान मंदिर परिसर में भारत-जापान के सांस्कृतिक संबंधों में आत्मीयता की सुंदर झलक देखने को मिली।

राजधानी में हाईकोर्ट के निजी सचिव के घर चोरी

9 लाख के जेवर और कैश ले गए चोर

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ के चिनहट में हाईकोर्ट के निजी सचिव के बंद मकान में लाखों की चोरी हो गई। चोर मेन गेट का ताला तोड़कर घर में घुसे और अलमारी से 1 लाख रुपए नकद और करीब 9 लाख रुपए के सोने-चांदी के जेवर ले गए। परिवार 19 अगस्त को पटना गया था, इसी दौरान चोरों ने वारदात की। पड़ोसी की सूचना पर पुलिस पहुंची। घर के सामने लगे सीसीटीवी में दो संदिग्ध चोर भी दिखाई दिए।

माधव ग्रींस लोलाई निवासी गौतम कुमार सिन्हा हाईकोर्ट में निजी सचिव हैं। उन्होंने बताया कि पटना में उनके भतीजे यश वर्मा की तबीयत खराब है और वह अस्पताल में भर्ती है। इसी वजह से 19 अगस्त की सुबह करीब 3:30 बजे वह पत्नी नीतू और दो बच्चों के साथ ओला बुक कर स्टेशन के लिए निकले थे। 21 अगस्त को पड़ोसी सुभाष की पत्नी ने फोन कर बताया कि उनके घर का मेन गेट खुला हुआ है। गौतम ने चौकी प्रभारी मनोज कुमार को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और जांच की। फॉरेंसिक टीम ने भी साक्ष्य जुटाए। शनिवार सुबह पटना से लौटने पर गौतम ने घर की जांच की तो चोरी का पता चला। उनके मुताबिक, चोरों ने मेन गेट का ताला तोड़ने के बाद रसोई की रोशनदान वाली खिड़की तोड़ी और अंदर घुसे। इसके बाद कमरे की अलमारी का लॉक तोड़कर नकदी और जेवर चोरी कर लिए।

फास्ट न्यूज

गुजरात में नकली दवा पकड़ी गई, लखनऊ का नाम आया

लखनऊ। गुजरात के खाद्य एवं औषधि विभाग ने निकार्डिया (ब्लड प्रेशर) की 590 टैबलेट जब्त की हैं। निकार्डिया रिटार्ड 20, सिलाकार 5, सिलाकार 10, सिलाकार टीएम 50 और निकार्डिया रिटार्ड 10 समेत कई दवाओं के नमूने लिए गए हैं। साथ ही करीब 1.70 लाख रुपए कीमत की संदिग्ध दवाओं का स्टॉक प्रतिबंधित किया गया है।

लखनऊ में ज्ञान प्रसार संस्थान का 23वां वार्षिक समारोह

लखनऊ। लखनऊ में 23 अगस्त को ज्ञान प्रसार संस्थान का 23वां वार्षिक समारोह श्री जी.बी. सिंह फाउंडेशन, विवेक खंड में सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि श्री मृत्युंजय प्रसाद गुप्त, संपादक, विश्व विधायक एवं संसद से सड़क तक, ने बच्चों का मार्गदर्शन करते हुए संस्थान के शैक्षणिक एवं सामाजिक कार्यों की सराहना की।

अध्यक्ष श्रीमती नीरजा द्विवेदी ने बताया कि 2003 में 15–20 वंचित बच्चों से प्रारम्भ संस्थान आज प्रतिदिन 100 से अधिक बच्चों को निःशुल्क शिक्षा दे रहा है और अब तक हजारों बच्चे लाभान्वित हुए हैं।

'उत्तर प्रदेश में स्कूल भी हो रहे चोरी'

लखनऊ । आम आदमी पार्टी के उत्तर प्रदेश प्रभारी और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि जौनपुर के 5 प्राथमिक विद्यालय सिर्फ कागजों पर चल रहे हैं। उनमें ढालगर टोला प्राथमिक विद्यालय, मिश्रीपुर कन्या प्राथमिक विद्यालय, कंपोजिट गरद-नअजानी प्राथमिक विद्यालय, उर्दू बाजार प्राथमिक विद्यालय और बाग हाशिम विद्यालय शामिल हैं।

दिव्या की हत्या करने के बाद ड्राइवर को पिस्टल सटाया

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ में एसबीआई फील्ड ऑफिसर ने पूरे दिन के लिए बुक किया था ऑटो, पर्दा डलवाकर निकला था

लखनऊ । लखनऊ में ICICI बैंक रिलेशनशिप मैनेजर दिव्या मिश्रा हत्याकांड की जांच में पुलिस को कई अहम सुराग मिले हैं। पूछताछ में सामने आया है कि वारदात को अंजाम देने से पहले SBI फील्ड ऑफिसर पति मानस बाजपेयी ने ऑटो ड्राइवर को पूरे दिन के लिए हायर किया था।

हालांकि, ऑटो ड्राइवरकी हत्या की साजिश में कोई भूमिका नहीं मिली है। पुलिस अब मानस के लॉक आईफोन, कॉल डिटेल, लोकेशन और बरामद तीन असलहों के जरिए हत्या से पहले की पूरी प्लानिंग की कड़ियां जोड़ रही है।

पुलिस के अनुसार, मानस के घर के सामने ऑटो स्टैंड है। मानस कार नहीं चला पता था। इस वजह से ऑटो से ही आता-जाता था। ऑटो स्टैंड के कई ड्राइवर उसके परिचित हो गए थे। पत्नी दिव्या की हत्या वाले दिन उसने उन्हीं में एक ऑटो ड्राइवर प्रमोद से बात की।

पूरे दिन के लिए उसका ऑटो बुक किया। ऑटो में सवार होने के बाद उसने दोनों तरफ पर्दा डलवा दिया। इसके बाद दिव्या के ICICI बैंक के बाहर पहुंचा। गेट के पास दिव्या का इंतजार करता रहा। दिव्या को बैंक के पास देखते ही पास बुलाया। मारपीट करके उसे गोली मार दी।

केजीएमयू में इंटर्न डॉक्टरों का दूसरे दिन प्रदर्शन, 8 भूख हड़ताल पर बैठे

'12 हजार नहीं, 30 हजार चाहिए स्टाइपेंड'

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के KGMU में इंटर्न डॉक्टरों का स्टाइपेंड बढ़ाने को लेकर प्रदर्शन रविवार को दूसरे दिन भी हुआ। बड़ी संख्या में इंटर्न डॉक्टर गेट नंबर-1 के सामने एकजुट हुए और नारेबाजी की। प्रदर्शनकारी डॉक्टरों ने स्टाइपेंड 12 हजार रुपये से बढ़ाकर 30 हजार रुपये प्रतिमाह करने की मांग की। डॉक्टरों ने "वी वांट जस्टिस" और "हमारी मांगें पूरी करो" के नारे लगाए। 8 डॉक्टर भूख हड़ताल पर बैठ गए। शाम करीब 6 बजे प्रोफेसर डॉ. के.के. सिंह के आश्वासन के बाद आंदोलन को 15 दिनों के लिए स्थगित कर दिया। इससे पहले शनिवार को भी KGMU में MBBS और BDS इंटर्न डॉक्टरों ने स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया था। प्रदर्शन में KGMU के अलावा लोहिया संस्थान, गोरखपुर, मेरठ समेत प्रदेश के कई मेडिकल कॉलेजों के इंटर्न डॉक्टर शामिल हुए थे। बड़ी संख्या में डॉक्टरों के जुटने से KGMU परिसर में काफी देर तक माहौल गर्म रहा था। KGMU के मुख्य गेट के सामने धरने पर बैठे इंटर्न डॉक्टरों ने जमकर की नारेबाजी। प्रदर्शन में KGMU के मेधावी इंटर्न डॉक्टर दीपित शर्मा भी शामिल रहे। दीपित शर्मा ने KGMU के दीक्षांत समारोह में चांसलर और हैविट समेत 19 पदक हासिल किए थे। इसके बावजूद वह अन्य इंटर्न डॉक्टरों के साथ स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग को लेकर प्रदर्शन में शामिल हुए।

12 हजार रुपये स्टाइपेंड में काम करना मुश्किल

इंटर्न डॉक्टरों का कहना है कि MBBS और BDS की पढ़ाई पूरी करने के बाद इंटर्नशिप के दौरान उन्हें मरीजों की देखभाल की जिम्मेदारी निभानी पड़ती है। OPD से लेकर वार्ड और इमरजेंसी तक लंबे समय तक ड्यूटी करनी पड़ती है। इसके बावजूद उन्हें मिलने वाला स्टाइपेंड दूसरे राज्यों और कई संस्थानों की तुलना में काफी कम है। डॉक्टरों का कहना है कि मौजूदा 12 हजार रुपये मासिक स्टाइपेंड में बढ़ती महंगाई के बीच काम करना मुश्किल है। इसलिए सरकार को स्टाइपेंड में बढ़ोतरी कर इसे 30 हजार रुपये प्रतिमाह करना चाहिए।

डॉ. के. के. सिंह बोले- 15 दिनों के भीतर कैबिनेट में रखा जाएगा मुद्दा

प्रोफेसर डॉ. के.के. सिंह के अनुसार, उन्होंने यूपी के महानिदेशक चिकित्सा शिक्षा (DGME) से इंटर्न्स के स्टाइपेंड वृद्धि के मुद्दे पर विस्तार से चर्चा की है। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक से भी इस विषय में बात की है।

अधिकारियों की ओर से आश्वासन दिया गया है कि यूपी एमबीबीएस इंटर्न्स के स्टाइपेंड वृद्धि का मुद्दा आगामी 15 दिनों के भीतर कैबिनेट के समक्ष रखा जाएगा। इसके लिए 7 सितंबर 2026 तक की समयसीमा निर्धारित की गई है।

डॉ. यादव ने भारत में ईंटों से निर्मित स्तूपों की संरचना, बनावट, आकार एवं स्थापत्य विशेषताओं पर प्रकाश डाला

परंपरा एवं संरक्षण विषय पर ज्ञानवर्धक व्याख्यान आयोजित

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राज्य पुरातत्व निदेशालय द्वारा आयोजित पुरातत्व अभिरुचि पाठ्यक्रम के चतुर्थ दिवस पर डॉ. राजेंद्र यादव, अधीक्षण पुरातत्वविद, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, लखनऊ सर्किल, लखनऊ द्वारा Brick Stupa of India and its Conservation Issues with Special Reference to Stupa at Nalasopara, Maharashtra विषय पर सचित्र एवं ज्ञानवर्धक व्याख्यान प्रस्तुत किया गया।

अपने व्याख्यान में डॉ. यादव ने भारत में ईंटों से निर्मित स्तूपों की संरचना, बनावट, आकार एवं स्थापत्य विशेषताओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने भारतीय बौद्ध स्थापत्य के प्रमुख स्वरूपों-स्तूप, चौत्यगृह एवं स्तंभों-की चर्चा करते हुए उनके धार्मिक, सांस्कृतिक एवं स्थापत्यगत महत्व को रेखांकित किया। साथ ही स्तूपों की विभिन्न श्रेणियों, विशेष रूप से शारीरिक स्तूपों, जिनका निर्माण भगवान बुद्ध के शारीरिक अवशेषों के ऊपर किया जाता था, सहित अन्य प्रकार के स्तूपों की अवधारणा एवं महत्व पर भी प्रकाश डाला। इस अवसर पर निदेशक, उत्तर प्रदेश राज्य पुरातत्व निदेशालय, श्रीमती रेनू द्विवेदी ने कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. राजेंद्र यादव को पौधा एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर उनका स्वागत एवं सम्मान किया। श्रीमती द्विवेदी ने सभागार में उपस्थित सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का अभिवादन करते हुए पाठ्यक्रम में उनकी सक्रिय सहभागिता के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

सचित्र प्रस्तुतीकरण एवं विषय की व्यापक व्याख्या के माध्यम से यह व्याख्यान प्रतिभागियों के लिए अत्यंत उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक सिद्ध हुआ तथा भारत की समृद्ध पुरातात्त्विक एवं सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण के प्रति जागरूकता विकसित करने में महत्वपूर्ण रहा।

भारत में स्तूप स्थापत्य के क्रमिक विकास की चर्चा

डॉ. यादव ने भारत में स्तूप स्थापत्य के क्रमिक विकास की चर्चा करते हुए बताया कि भारतीय स्तूप परंपरा पर मौर्यकालीन स्थापत्य के साथ-साथ इंडो-ग्रीक, इंडो-सिथियन एवं कुषाणका-लीन कला एवं स्थापत्य परंपराओं का भी प्रभाव परिलक्षित होता है। विभिन्न सांस्कृतिक एवं कलात्मक परंपराओं के समन्वय ने भारतीय बौद्ध स्थापत्य को समृद्ध एवं विशिष्ट स्वरूप प्रदान किया। उन्होंने महाराष्ट्र स्थित नालासोपारा के स्तूप के विशेष संदर्भ में ईंट निर्मित प्राचीन स्मारकों के संरक्षण से जुड़ी चुनौतियों, संरचनात्मक समस्याओं तथा वैज्ञानिक संरक्षण की आवश्यकता पर भी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की।

रोड एक्सीडेंट में 10वीं के छात्र की हुई मौत

डेढ़ साल पहले बड़े भाई ने भी एक्सीडेंट में जान गंवाई थी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के गोमतीन-गर विस्तार थानाक्षेत्र में रोड एक्सीडेंट में 10वीं के छात्र की मौत हो गई। वह दोस्तों के साथ इकाना स्टेडियम से मैच देखकर लौट रहा था। तभी बाइक अनियंत्रित हो गई और डिवाइडर से टकरा गई। इस दुर्घटना में तीनों गंभीर रूप से घायल हो गई। इलाज के लिए लोहिया अस्पताल पहुंचाया गया। जहां एक की मौत हो गई, जबकि दो का गंभीर हालत में इलाज चल रहा है। जिस छात्र की मौत हुई, उसके बड़े भाई की डेढ़ साल पहले एक्सीडेंट में ही मौत हुई थी।

मूलरूप से लखीमपुर खीरी के रहने वाले जयकरन लखनऊ के सरोज विहार मुलायमनगर में परिवार के साथ रहकर कारपेंटर का काम करते हैं। जयकरन ने बताया कि उनका बेटा हर्ष (16) प्राइवेट स्कूल में 10वीं की छात्र था। 22 अगस्त को मोहल्ले में रहने वाले दोस्त आदर्श और गोविंद के साथ इकाना स्टेडियम मैच देखने गया था। वहां से लौटते समय रात करीब 10:30 बजे उससे फोन पर बात हुई। देर रात बाहर जाने और बाइक ले जाने को लेकर डांटा और जल्द घर आने की बात कही। इसके बाद करीब 45 मिनट बाद पुलिस से हादसे की सूचना मिली। पुलिस ने बताया कि जी-20 रोड पर तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई।

मांग : सपा ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी को सौंपा ज्ञापन, बीएलए को सूची और मोबाइल नंबर उपलब्ध कराने की मांग

मतदाता सूची सत्यापन में बीएलए को शामिल करने की मांग

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देश पर प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश को ज्ञापन सौंपकर मतदाता सूची के पुनरीक्षण और सत्यापन में बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) को शामिल करने की मांग की है। सपा ने कहा कि मतदाता सूची को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाए रखने के लिए बीएलओ और बीएलए के बीच समन्वय जरूरी है।

ज्ञापन में कहा गया है कि प्रदेश की 403 विधानसभाओं में कुल 1 लाख 77 हजार 516 मतदेय स्थलों पर बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) नियुक्त हैं। बीएलओ को मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने और संशोधन से संबंधित आवेदनों की जांच के साथ-साथ मृतक, स्थानांतरित और डुप्लीकेट मतदाताओं का सत्यापन करने की जिम्मेदारी दी गई है। सपा ने अपने ज्ञापन में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी 'मैनुअल ऑन इलेक्टोरल रोल्स, मार्च 2023, डॉक्यूमेंट-10, एडिशन-2' का हवाला दिया है। पार्टी के मुताबिक, इसके पृष्ठ संख्या 34 पर अध्याय-5 के पैरा 5.3.2-(P) में बूथ लेवल एजेंट के साथ बीएलओ के समन्वय का प्रावधान किया गया है।

चुनाव आयोग के मैनुअल का हवाला

सपा ने अपने ज्ञापन में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी 'मैनुअल ऑन इलेक्टोरल रोल्स, मार्च 2023, डॉक्यूमेंट-10, एडिशन-2' का हवाला दिया है। पार्टी के मुताबिक, इसके पृष्ठ संख्या 34 पर अध्याय-5 के पैरा 5.3.2-(P) में बूथ लेवल एजेंट के साथ बीएलओ के समन्वय का प्रावधान किया गया है। ज्ञापन में कहा गया है कि मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 10 अप्रैल 2026 को हुआ था। इसके बाद 11 अप्रैल से प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के बूथों पर मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने और संशोधन से संबंधित आवेदन जमा हो रहे हैं।

फार्म-6, 7 और 8 की जांच में पारदर्शिता की मांग

पार्टी के अनुसार, मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए फार्म-6, नाम हटाने के लिए फार्म-7 और नाम, उम्र, पता अथवा विधानसभा क्षेत्र में बदलाव के लिए फार्म-8 जमा किए जा रहे हैं।

सपा ने कहा कि बड़ी संख्या में इन फार्मों के जमा होने के कारण प्रत्येक आवेदन की निष्पक्ष जांच जरूरी है। इसके अलावा मृतक, स्थानांतरित और डुप्लीकेट मतदाताओं का घर-घर जाकर सत्यापन भी पारदर्शी तरीके से कराया जाना चाहिए। ज्ञापन में बूथ लेवल एजेंटों को बीएलओ की सूची नाम और मोबाइल नंबर सहित उपलब्ध कराने की मांग की गई है। सपा का कहना है कि इससे बीएलओ और बीएलए के बीच आसानी से समन्वय स्थापित हो सकेगा और मतदाता सूची के संबंध में आवश्यक जानकारी साझा की जा सकेगी।

सपा ने मांग की है कि यह पूरी प्रक्रिया बूथ लेवल एजेंट के साथ समन्वय बनाकर की जाए, ताकि मतदाता सूची में किसी भी तरह की गड़बड़ी की संभावना को कम किया जा सके।

महंगाई के खिलाफ सपाइयों का प्रदर्शन

पुलिस घसीटते हुए टांग कर ले गई, महिलाएं बोलीं- सरकार ने किचन का बजट बिगाड़ दिया

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में रविवार को सपा कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। महंगाई के खिलाफ हजरतगंज चौराहे पर पहुंच कर हंगामा किया। हाथों में पोस्टर और बैनर लेकर पहुंचे प्रदर्शनकारियों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। चीनी के दाम में हुई बढ़ोतरी पर नाराजगी जतायी। प्रदर्शन में शामिल महिलाओं ने कहा कि सरकार ने किचन का बजट बिगाड़ दिया है।

लगभग 15 मिनट तक प्रदर्शन-कारी हजरतगंज चौराहे पर नारेबाजी और हंगामा करते रहे। इस दौरान उनकी पुलिस से नोकझोंक और धक्का-मुक्की हुई। इसके बाद पुलिस उन्हें घसीटकर और टांगकर गाड़ी के पास ले गई। उसमें बैठाकर उन्हें ईको गार्डन भेजा। महिला प्रदर्शनकरियों ने पुलिस पर अभद्रता करने का आरोप लगाया।

प्रदर्शन में शामिल मंजू ने कहा की आमदनी तो बढ़ नहीं रही है, बस महंगाई बढ़ती जा रही है। समझ में नहीं आता है कि लिमिटेड आमदनी में घर कैसे चलाएं? हर महीने किसी न किसी सामान के दाम बढ़ जाते हैं। लिमिटेड इनकम में बच्चों का दवाई-इलाज के साथ पढ़ाना संभव नहीं हो पा रहा है। आज हम अपने बच्चों के साथ प्रदर्शन में आए हैं। महंगाई के साथ अगर आमदनी भी बढ़ती तो हम मैनेज कर लेते हैं, मगर यहां सिर्फ महंगाई की मार है आमदनी रुकी हुई।

रिंकी यादव बोलीं- रक्षाबंधन पर महंगी हो जाएगी मिठाई

सपा महिला सभा की प्रदेश सचिव रिंकी यादव ने कहा कि हमारे किचन का बजट बिगड़ गया है। दाल, तेल, चावल, आटा सब कुछ पहले से महंगा था। अब सरकार ने चीनी के दाम बढ़ा दिए है। आने वाले दिनों में रक्षाबंधन का त्योहार है। चीनी महंगी होने की वजह से मिठाइयां भी महंगी हो जाएंगी। यह सरकार नहीं चाहती है कि गरीब और कमजोर परिवार त्योहारों पर खुशियां मनाए। जैसे ही कोई भी त्योहार आने वाला होता है, सरकार आम आदमी को मुसीबत में डाल देती है।

सहारनपुर में भतीजा बोला- शायान ने बहन से ज्यादती की, राजनीति के लिए परिवार तोड़ा

सांसद इमरान मसूद की बेटी से मारपीट, घर से निकाला

विवाद

तमसा संकेत, एजेंसी

सहारनपुर । सहारनपुर में कांग्रेस सांसद इमरान मसूद के दामाद शायान मसूद के समाजवादी पार्टी जॉइन करने के बाद पारिवारिक विवाद खुलकर सामने आ गया है। शनिवार को इमरान के भतीजे हमजा नोमान मसूद ने फेसबुक लाइव किया। इसमें उन्होंने अपने बहनोई शायान मसूद और उनके पिता शादान मसूद पर बहन से मारपीट कर घर से निकालने का आरोप लगाया। हमजा ने कहा- परिवार पिछले करीब 5 साल से कई बातें चुपचाप सहन कर रहा था। लेकिन,

बहन के साथ ज्यादती और परिवार को परेशान किए जाने के बाद अब चुप रहना संभव नहीं है। मेरे बहनोई ने बहन के साथ ज्यादती की हद कर दी है। अब मैं चुप नहीं रहूंगा। हमजा ने कहा मेरी बहन को राजनीतिक कारणों से परेशान किया गया। करीब 5 साल तक बहन की जिंदगी खराब होती रही, लेकिन परिवार ने रिश्तेदारी और सम्मान की वजह से बहुत कुछ सहन किया।

दुश्मन हाल पूछ रहा, अपने ही खिलाफ हो गए

हमजा नोमान मसूद ने बताया मेरे पिता की तबीयत खराब होने पर राजनीतिक विरोधी खेमे के लोगों ने भी फोन कर हालचाल पूछा। लेकिन, अपने ही रिश्तेदार इस मुश्किल समय में परिवार के खिलाफ राजनीतिक गतिविधियों में लगे हैं।

चौधरी परिवार और फजुर रहमान समेत कई लोगों ने पिता की तबीयत को लेकर फोन किया। जब राजनीतिक विरोधी भी बीमारी के समय परिवार का हाल पूछ सकते हैं, तो अपने लोग इस समय परिवार के खिलाफ क्यों खड़े हैं?

बहन से मारपीट और गाली-गलौज

नोमान मसूद ने बताया बहनोई शायान मसूद और उसके परिवार ने मेरी बहन (सुबिया मसूद) के साथ मारपीट और गाली-गलौज की। उसे घर से निकाल दिया। हमारे परिवार ने रिश्तेदारी, इज्जत के लिए चुप्पी साधे रखी। मेरे पास कई रिकॉर्डिंग मौजूद हैं। घर के अंदर की बातचीत की भी रिकॉर्डिंग है। अगर विवाद इसी तरह बढ़ता रहा, तो इन रिकॉर्डिंग और वीडियो को सार्वजनिक कर दूंगा।

बहन और उसके एक साल के बच्चे की अब हमारी जिम्मेदारी है। शायान ने बच्चे के लिए डायपर तक का पैसा नहीं दिया। हमारा परिवार बहन और उसके बच्चे की जिम्मेदारी खुद उठाएगा। मेरी बहन को किसी के पैसे या सहारे की जरूरत नहीं है।

हमजा ने दावा किया कि मेरे पास ऐसी बातचीत और रिकॉर्डिंग मौजूद हैं, जिनमें चाचा इमरान मसूद और मुझे रास्ते से हटाने जैसी बातें की गईं। मैं अब तक इन रिकॉर्डिंग को सार्वजनिक नहीं करना चाहता था। लेकिन, लगातार हो रही बयानबाजी के कारण सार्वजनिक रूप से अपनी बात रखनी पड़ी।

हमजा नोमान मसूद अपने चाचा सांसद इमरान मसूद के साथ।

मेरे पिता अस्पताल में जिंदगी की जंग लड़ रहे हैं, दूसरी तरफ मेरी बहन और भांजा परेशान हैं। इसके बावजूद हमने सब्र का दामन थामा हुआ है। इंसाफ अल्लाह करेगा और अब फैसला जनता के हाथ में है। मेरी बहन अकेली नहीं है।

शायान ने हमजा को राजनीतिक मुकाबले की चुनौती दी। उन्होंने कहा कि अगर राजनीतिक लड़ाई लड़नी है तो मैदान में आकर लड़ो। घर की बातें सार्वजनिक कर विवाद को आगे नहीं बढ़ाना चाहिए।

कानपुर में बीजेपी का 9 दिन रक्षाबंधन स्पेशल

हजारों महिलाओं से राखी बंधवाएंगे नेता

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर में भारतीय जनता पार्टी इस बार रक्षाबंधन के त्योहार को बड़े जनसंपर्क अभियान के रूप में बदलने की तैयारी में है। कानपुर में 25 अगस्त से लगातार 9 दिनों तक रक्षाबंधन समारोह आयोजित किए जाएंगे। शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में होने वाले इन कार्यक्रमों में भाजपा नेता हजारों महिलाओं से राखी बंधवाएंगे और उन्हें उपहार देकर रक्षाबंधन की शुभकामनाएं भी देंगे।

इन कार्यक्रमों में बालीवुड की अभिनेत्रियां भी अलग-अलग दिनों में शहर के कार्यक्रमों में पहुंचेंगी। महिलाओं को सीधे तौर पर पार्टी और कार्यक्रम से जोड़ने के लिए इसे देखा जा रहा है। भाजपा के इस आयोजन का मुख्य फोकस महिलाओं से सीधे जुड़ाव बढ़ाने पर रहेगा। विधानसभा चुनाव से पहले इसे पार्टी की ओर से महिलाओं के बीच अपनी पहुंच और संपर्क मजबूत करने की कवायद के तौर पर देखा जा रहा है। कार्यक्रमों में भाजपा के वरिष्ठ नेता और पदाधिकारी भी शामिल होंगे।

इस बार समारोह में राजनीतिक जनसंपर्क के साथ बॉलीवुड का ग्लैमर भी नजर आएगा। अलग-अलग दिनों में बॉलीवुड की चर्चित पुरानी अभिनेत्रियों को कार्यक्रमों में बुलाने की तैयारी है। इनमें मंदाकिनी और मीनाक्षी शेषाद्रि समेत कई अभिनेत्रियों के शामिल होने की बात कही जा रही है। पूरे कार्यक्रम का संयोजन भाजपा नेता और पूर्व विधायक अजय कपूर करेंगे।

फास्ट न्यूज

बाहरी प्रत्याशियों के भरोसे बसपा

आगरा। विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर बसपा ने अभी से सक्रियता बढ़ा दी है। पार्टी उम्मीदवारों के चयन व उनके नामों की पार्टी के विधानसभा स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन में घोषणा करने की प्रक्रिया चल रही है। मगर, 'दलितों का गढ़' कहे जाने वाले आगरा में 'हाथी' की चाल सुस्त दिखाई दे रही है। पड़ोसी जिले हाथरस की सादाबाद सीट अविन शर्मा को प्रत्याशी घोषित करने वाली बसपा आगरा अब 17 सितंबर को आगरा में अपने पहले प्रत्याशी की घोषणा करने जा रही है।

वार्ड-14 की बदहाली पर बीजेपी पार्षद का हल्लाबोल

कानपुर। कानपुर के वार्ड-14 में नगर निगम की लापरवाही और सफाई व्यवस्था को लेकर पार्षद शालू सुनील कनौजिया का नाली-झाड़-कूड़ा आंदोलन रविवार को चौथे दिन भी जारी रहा। पार्षद और पूर्व पार्षद सुनील कनौजिया के नेतृत्व में सैकड़ों महिलाओं ने हाथों में गृहकर की प्रतियां लेकर सफाई नहीं तो टैक्स नहीं के नारे लगाए।

महिलाओं ने जुलूस निकालकर जोरदार प्रदर्शन किया और नगर निगम के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शनकारियों ने वार्ड की बदहाल सफाई व्यवस्था को लेकर अधिकारियों पर लापरवाही का आरोप भी लगाया।

90 करोड़ की मेडिकल कॉलेज बिल्डिंग 10 साल में जर्जर

आगरा। आगरा के एसएन मेडिकल कॉलेज की करीब 90 करोड़ रुपए की इमारत महज 10 साल में जर्जर हो गई है। करीब 2008-09 में इसका निर्माण शुरू हुआ और 2016 में जी प्लस-7 भवन तैयार हुआ। सर्जरी ब्लॉक की दीवारों से जगह-जगह प्लास्टर झड़ रहा है, फॉल्स सीलिंग टूट चुकी है और दरवाजे-खिड़कियां भी खराब हालत में हैं।

पति को सीने से प्राइवेट पार्ट तक एक फीट काटा

पत्नी ने आंतें निकालकर बोरी में भरीं

तमसा संकेत, एजेंसी

सीतापुर । हरियाणा के कुरुक्षेत्र में महिला ने अपने पति की हत्या कर दी। पति यूपी के सीतापुर का रहने वाला था। पत्नी ने धारदार हथियार से पति के सीने से लेकर प्राइवेट पार्ट तक एक फीट से ज्यादा लंबा कट लगाया। आंतें निकालकर प्लास्टिक की बोरी में भरकर रख दीं। पत्नी जब वारदात को अंजाम दे रही थी, तभी मकान मालिक आ गया। उसे देखकर पत्नी छत से कूद गई।

मौके पर पहुंची पुलिस ने पत्नी को अस्पताल में भर्ती कराया। साथ ही पति के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में सामने आया कि पति के शरीर में करीब आधा लीवर और दाईं किडनी गायब थी। पुलिस अब हत्या की वजह के साथ शरीर से अंग गायब होने की भी जांच कर रही है। यह भी पता चला है कि पत्नी झाड़-फूंक करती थी। वारदात शनिवार की है, लेकिन रविवार को इससे जुड़ी फोटो सामने आई हैं। सीतापुर जिले के धामपुर गांव निवासी राजेश (40) एक साल पहले हरियाणा चला गया था। वहां कुरुक्षेत्र में वह पत्नी विमला देवी के साथ पिहोवा रोड स्थित राज पैलेस के पास एक मकान में किराए पर रहता था। राजेश पिहोवा रोड स्थित पीबी आरओ वाटर ट्रेडिंग कंपनी में वाटर सप्लाई का काम करता था। मकान मालिक रिंकू ने बताया- शनिवार शाम करीब 5 बजे मुझे कमरे से राजेश और विमला के चीखने-चिल्लाने की आवाज सुनाई दी।

मथुरा में रो-रोकर नाटक करती रहीं, पकड़ाईं तो बोलीं- घर जाना था, इसलिए ऐसा किया

बालिका गृह में दो बच्चियों ने सहेली को डुबोकर मारा

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। मथुरा के वृंदावन में राजकीय बालिका गृह में लड़कियों ने 14 साल की सहेली को बाथरूम में डुबोकर मार डाला। पुलिस के मुताबिक, दोनों बालिका गृह से बाहर निकलना चाहती थीं। उन्हें लगा कि किसी की मौत होने पर बालिका गृह बंद हो सकता है और सभी लड़कियों को घर भेज दिया जाएगा।

वारदात के बाद पुलिस पहुंची तो आरोपी लड़कियां रोने का नाटक करने लगीं। हंगामा शुरू कर दिया। उन्होंने दूसरी लड़कियों को भी अपने साथ कर लिया। मृत किशोरी को न्याय दिलाने के नाम पर नारेबाजी की। CCTV कैमरों को तोड़ने की भी कोशिश की। पुलिस ने किसी तरह स्थिति संभाली।

SSP ने बताया- CCTV दिखाकर लड़कियों से पूछताछ की गई तो उन्होंने वारदात कबूल कर ली।

शनिवार को पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट सामने आई। इसमें पानी में डूबने से किशोरी की मौत की पुष्टि हुई। पुलिस ने CCTV खंगाले तो पता चला कि बाथरूम में तीन किशोरियां गई थीं, लेकिन 45 मिनट बाद दो ही बाहर निकलीं। शक के आधार पर पुलिस ने दोनों से पूछताछ की। दोनों ने वारदात कबूल कर ली।

राजकीय बालिका गृह चैतन्य विहार इलाके में है। यहां 140 लड़कियां रहती हैं। दोनों आरोपी किशोरियों की उम्र 15-15 साल है। एक पीलीभीत और दूसरी अलीगढ़ की रहने वाली है। बालिका गृह की अधीक्षिका प्रगति खरे ने FIR दर्ज कराई है। इसमें दोनों आरोपी किशोरियों के अलावा साजिश में शामिल तीन किशोरियों को भी आरोपी बनाया गया है।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, दोनों आरोपी किशोरियों ने बताया- हमारा संरक्षण गृह में मन नहीं लग रहा था।

एसएसपी बोले- सीसीटीवी दिखाकर पूछताछ की तो लड़कियों ने वारदात कबूली

शनिवार दोपहर में जिला अस्पताल में किशोरी का पोस्टमॉर्टम हुआ। शाम को रिपोर्ट आई तो पता चला कि लड़की की मौत डूबने और दम घुटने से हुई है। इसके बाद हड़कंप मच गया। पुलिस ने बालिका गृह के CCTV खंगालने शुरू किए।

SSP श्लोक कुमार ने बताया- जिस कमरे में किशोरी रह रही थी, उसके बगल में ही बाथरूम था। कॉरिडोर में लगे CCTV में तीनों लड़कियां बाथरूम में जाती दिखीं, लेकिन बाहर सिर्फ दो आईं। CCTV दिखाकर उनसे पूछताछ की गई तो उन्होंने वारदात कबूल कर ली।

बॉयफ्रेंड के साथ घर से भाग गई थीं, तब से बालिका गृह में रह रही थीं

पुलिस के मुताबिक, दोनों आरोपी लड़कियां करीब डेढ़ महीने से बालिका गृह में रह रही थीं। दोनों अपने बॉयफ्रेंड के साथ घर से भाग गई थीं। पुलिस ने दोनों को बरामद किया। जब परिवार को सुपुर्द करने की बात आई तो परिजन ने उन्हें अपने साथ रखने से मना कर दिया। इसके बाद दोनों को बालिका गृह भेजा गया। इनमें से एक पर अपने घर में चोरी करने का भी आरोप है।

अफसरों ने कहा था- खुद गिराओ, वरना हम गिराएंगे, दावा-50 साल पुराना

मुस्लिमों ने खुद बुलडोजर मंगवाकर मदरसा ढहाया

तमसा संकेत, एजेंसी

मुजफ्फरनगर । मुजफ्फरनगर में मदरसा दारुल उलूम रहीमिया को कमेटी के लोगों ने खुद ढहाना शुरू कर दिया है। रविवार को बुलडोजर मंगवाया गया। 1200 वर्गमीटर में बने अवैध निर्माण को एक-एक करके गिराया जा रहा है। अब तक 300 वर्गमीटर में बने 2 हॉल को ढहाया जा चुका है। 900 वर्गमीटर में बने 8 कमरे बाकी हैं।

कमेटी का दावा है कि ये मदरसा करीब 50 साल पुराना है। वहीं, प्रशासन के अफसरों ने बताया, कब्रिस्तान की जमीन पर अवैध निर्माण किया गया है। 18 अगस्त को तहसीलदार (न्यायिक) अरविंद कुमार कुठार ने मदरसा संचालक हिफजुर्रहमान अंसारी को नोटिस जारी किया। उन्होंने कहा था- 'यदि अवैध कब्जा खुद नहीं हटाया तो प्रशासन गिरा देगा। हर्जाना भी वसूला जाएगा।' मामला जिला मुख्यालय से करीब 40 किमी दूर फुलत गांव का है। मदरसे के अवैध निर्माण से संबंधित केस खतौली के तहसीलदार न्यायिक की कोर्ट में चल रहा था। 22 मई को कोर्ट ने 1200 वर्गमीटर भूमि पर बने निर्माण को अवैध करार दिया। इस मामले में कोर्ट ने 30 हजार रुपए का जुर्माना और 5 हजार रुपए का खर्च लगाने का आदेश दिया था। इस फैसले के खिलाफ मदरसा संचालक ने अपर जिलाधिकारी (न्यायिक), मुजफ्फरनगर की अदालत में अपील की। 17 अगस्त 2026 को अपीलीय अदालत ने पहले के आदेश को निरस्त कर दिया। निर्देश दिया है कि जमीन पर बना 1,200 वर्गमीटर का निर्माण खुद हटा लिया जाए।

फुलत गांव के प्रधान वसीम अहमद ने कहा,2021 से वो कब्रिस्तान की जगह थी। विवाद चल रहा था। मदरसा हटाने के लिए नोटिस दिया गया था। मदरसा वाले अतिक्रमण हटा रहे हैं।

मदरसा संचालक पर अवैध धर्मांतरण के आरोप लगे

जुलाई के पहले हफ्ते में थाना रतनपुरी में एक शिकायत दर्ज कराई गई थी। बताया गया था कि फुलत गांव में ग्राम समाज की जमीन पर दारूल उलूम रहीमिया मदरसा का अवैध निर्माण किया गया है। शिकायत में मौलाना हिफजुर्रहमान उर्फ हफीजुर्रहमान अंसारी, जुबैर अंसारी और जुनैद अंसारी पर मदरसे का संचालन करने और धर्मांतरण में शामिल होने का आरोप लगाया गया था। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ अवैध धर्मांतरण का मामला दर्ज किया। 15 जुलाई को पुलिस ने हिफजुर्रहमार के बेटे जुनैद अंसारी को गिरफ्तार किया। वह इस समय जेल में है।

सतीश महाना के खिलाफ कांग्रेसियों का प्रदर्शन

पुतला फूंकने की कोशिश की, पुलिस ने छीना

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर में विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना पर राष्ट्रगान के अपमान का आरोप लगाते हुए कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने रविवार को मेस्टन रोड पर प्रदर्शन किया। कांग्रेस ग्रामीण जिलाध्यक्ष संदीप शुक्ला के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने महाना के खिलाफ नारेबाजी की।

प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ता सतीश महाना की फोटो लगा प्रतीकात्मक पुतला लेकर पहुंचे और उसमें आग लगाने का प्रयास किया। पुतले में आग लगते ही पुलिस ने उसे छीन लिया और आग बुझाकर अपने कब्जे में ले लिया।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मेस्टन रोड से कोतवाली चौराहे तक नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने सतीश महाना से राष्ट्रगान के मामले में माफी मांगने और उन्हें विधानसभा अध्यक्ष पद से हटाने की मांग की। कांग्रेस ग्रामीण जिलाध्यक्ष संदीप शुक्ला ने कहा कि खबरों और सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में सामने आया कि विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना राष्ट्रगान समाप्त होने से पहले ही वहां से चले गए और कार में बैठ गए। उन्होंने आरोप लगाया कि संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति द्वारा इस तरह राष्ट्रगान का अपमान किया जाना गंभीर मामला है। संदीप शुक्ला ने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष को इस मामले में माफी मांगनी चाहिए। साथ ही उन्होंने सतीश महाना को पद से हटाने की मांग की।

पृष्ठ 01 का शेष...

रसोइयों का 5 लाख ...

हम कह रहे हैं कि जनता सपा को अगले चुनाव में हमेशा के लिए साफ कर देगी, क्योंकि ये लोग परिवार की खातिर गरीबों का शोषण करते थे। इन्होंने यूपी को गुंडा प्रदेश बना दिया था। जमीन पर कब्जा, बेटी की सुरक्षा में सेंध लगाते थे। रोज दंगा-फसाद होता था। त्योहारों के पहले खुशी छीन ली जाती थी। विकास ठप था, क्योंकि प्रदेश के पास कुछ नहीं था। अब कोई बेटी की सुरक्षा में सेंध लगाएगा तो यमराज के घर जाने का रास्ता तय है। सपाई तो बच्चों के मिड-डे मील पर भी डकैती डलवाते थे। अब यूपी दंगा व कर्फ्यू मुक्त हुआ तो विकास दिखाई दे रहा है। जो लोग कुछ नहीं कर पाए, वे सिर्फ आक्षेप लगाते हैं। सीएम ने कहा कि रसोई केवल बच्चे का पेट भरने वाला भोजन नहीं, बल्कि बचपन को स्वस्थ व समर्थ बनाने का अभियान भी है। आप देश के बचपन को स्वस्थ बनाते हैं, लेकिन आपके स्वास्थ्य की चिंता नहीं होती थी। पीएम मोदी जी ने आपको धुएं से मुक्ति दिलाई। प्रदेश सरकार ने भी सुनिश्चित किया कि रसोइया या उसके परिवार का कोई व्यक्ति अस्वस्थ होता है तो वह सरकारी अस्पताल समेत किसी भी इन्पैनल्ड अस्पताल में इलाज करा सकता है। सरकार प्रतिवर्ष इसके लिए पांच लाख रुपये का बीमा उपलब्ध कराएगी।

सीएम ने कहा कि आंगनबाड़ी बाल वाटिका में पढ़ने वाले बच्चों की प्रगति निपुण भारत अभियान की सफलता को प्रदर्शित करती है। अब पांचवी कक्षा तक यह अभियान बढ़ रहा है। 2017 के पहले गरीब के बच्चे भीषण ठंड में ठिठुरते हुए स्कूल जाते थे, लेकिन अब ऐसा नहीं है। अब सरकार हर बच्चे को दो यूनिफॉर्म, बैग, किताबें, जूते-मोजे, स्वेटर उपलब्ध कराती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम लोग 18 घंटे काम करते हैं। एक-एक योजना और विभागों के कार्यों को आगे बढ़ाने में योगदान देते हैं, तब परिणाम आते हैं। कोई बबुआ की तरह 12 बजे सोकर उठता, 2 बजे तैयार होता, 5 बजे जिम जाता और 7 बजे से महफिल जमा लेता, तो काम कब करता। रसोइया माताएं-बहनें, आंगनबाड़ी व आशा वर्कर, गांव के चौकीदार, होमगार्ड, पीआरडी जवान, ये सब प्रदेश को बढ़ाने में योगदान दे रहे हैं। सरकार इनके सम्मानजनक जीवन और इनके मानदेय में वृद्धि के लिए कार्यरत है। पिछले दिनों सरकार ने शिक्षामित्रों, अनुदेशकों का मानदेय बढ़ाया। शिक्षकों के साथ ही उन्हें भी कैशलेस स्वास्थ्य सुरक्षा व दुर्घटना बीमा कवर उपलब्ध कराया गया है।

सरकार सभी...

बेसिक शिक्षा परिषद ने भारतीय स्टेट बैंक से बातचीत कर तय कराया कि अकाउंट एसबीआई में खुलेगा, जिसमें रसोइयों का पूरा मानदेय जाएगा। यदि कोई अप्रिय स्थिति हुई तो बैंक तत्काल दो लाख रुपये की उपलब्ध कराएगा। आप भाजपा के डबल इंजन पर विश्वास कीजिए, सरकार सभी समस्याओं का समाधान करेगी।

सरकार ने वादे पूरे ...

जिसमें आंदोलन खत्म करने और CJP की मांगें मानने की बात कही थी।

CJP ने कहा कि उसने देश के युवाओं से सरकार के वादे पर भरोसा करते हुए आंदोलन वापस लिया था। पार्टी ने कहा कि वह इस भरोसे को कमजोरी समझने की अनुमति नहीं देगी।

पार्टी ने छात्रों, युवा नागरिकों, समर्थकों और स्वयंसेवकों से सोमवार की बैठक के नतीजे के लिए तैयार रहने को कहा है। सोमवार की मीटिंग में स्थिति का आकलन कर CJP की आगे की रणनीति तय की जाएगी।

CJP ने कहा कि सरकार के साथ बातचीत करने वाले प्रतिनिधिमंडल ने लिखित आश्वासनों को पूरा करने के लिए उठाए जा रहे कदमों की जानकारी देने के लिए उससे औपचारिक संपर्क नहीं किया। इसमें एफआईआर और मुआवजे से जुड़े आश्वासन भी शामिल हैं।

सुप्रीम कोर्ट में 18 अगस्त को एक सुनवाई हुई थी। जिसमें कोर्ट ने देशभर में छात्रों और प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज FIR की लिस्ट मांगी थी। CJP के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से यह सूची तीन बार देने को कहा था। कोर्ट इन मामलों को रद्द करने के लिए संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत अपनी शक्तियों का इस्तेमाल करने पर विचार कर सकता है। CJP ने कहा कि कोर्ट की ओर से बार-बार सूची मांगे जाने के बावजूद केंद्र सरकार ने इसे देने की प्रतिबद्धता नहीं जताई। पार्टी के सह-संयोजक सौरव दास और कानूनी मामलों की प्रभारी रत्ना सिंह ने सुनवाई के तुरंत बाद इस पर चिंता जताई। दोनों ने कहा कि ऐसा लग रहा है कि CJP और केंद्र के बीच हुई बातचीत में दिए गए आश्वासनों के आधार पर आंदोलन वापस लेने के बाद सरकार युवा पीढ़ी को धोखा दे रही है।

CJP ने बताया कि आश्वासनों में आंदोलन से जुड़ी सभी एफआईआर वापस लेना या रद्द करना शामिल था। इसके अलावा, भविष्य में किसी छात्र या शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारी के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई नहीं करने की गारंटी भी दी गई थी।

इनमें उन NEET-UG अभ्यर्थियों के परिवारों को मुआवजा देने का आश्वासन भी शामिल था, जिन्होंने मई में पेपर लीक के कारण परीक्षा रद्द होने के बाद आत्महत्या कर ली थी।

राहुल महिलाओं के ...

राहुल गांधी 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में मौजूद थे। यहां करीब 15 हजार छात्राएं थीं। इसी दौरान राहुल ने कहा था कि महिला को जीवन के हर पड़ाव पर पुरुष रिश्तेदारों के अधीन रहना पड़ता है।

उन्होंने यह भी कहा था कि महिलाओं को आगे बढ़ने से रोकने के लिए समाज में हिंसा का इस्तेमाल किया जाता है और 80% महिलाएं उत्पीड़न का सामना करती हैं।

कांग्रेस ने वंदे मातरम को लेकर अपना रुख साफ कर दिया है। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने 19 अगस्त को कहा था कि पार्टी 1937 में हुई कांग्रेस बैठक में लिए गए फैसले का पालन करेगी। इसके तहत पार्टी के कार्यक्रमों में वंदे मातरम के केवल दो अंतरे गाए जाएंगे।

केसी वेणुगोपाल ने कहा कि वंदे मातरम और राष्ट्रगान कांग्रेस के लिए भावनात्मक मुद्दे हैं, जबकि भाजपा के लिए ये राजनीतिक मुद्दे हैं। 1950 में संविधान सभा ने वंदे मातरम को राष्ट्रीय गीत का दर्जा दिया था। इसमें कुल 6 पैरा हैं।15 अगस्त को कांग्रेस मुख्यालय में स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान वंदे मातरम पर कांग्रेसी नेताओं के व्यवहार को लेकर विवाद हो रहा है। भाजपा का आरोप है कि गीत के दौरान सोनिया गांधी, राहुल गांधी और पार्टी अध्यक्ष ने गीत रुकवाने की कोशिश की थी।

24 जनवरी 1950 को संविधान सभा ने 'वंदे मातरम' को राष्ट्रीय गीत घोषित किया था। लंबे समय तक इसके अपमान पर कोई अलग कानून नहीं था, लेकिन 2026 के मानसून सत्र में केंद्र सरकार ने 'राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम' बनाया।

इस कानून के तहत 'वंदे मातरम' के गायन को जानबूझकर रोकने, इसमें बाधा डालना या इसका सार्वजनिक अपमान दंडनीय अपराध होगा। ऐसा करने पर 3 साल तक की जेल, जुर्माना या दोनों की सजा का प्रावधान है। इस बार 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान पहली बार लाल किले से 'वंदे मातरम्' के पूरे 6 पैरा गाए गए।

यूपी विधानसभा ...

वहीं, सतीश महाना ने भी मामले पर सफाई दी। उन्होंने कहा कि जिस जगह उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया, वहां राष्ट्रगान नहीं बजाया गया।

सतीश महाना शनिवार शाम करीब 4 बजे एसवीएम इंटर कॉलेज के आस्था सभागार पहुंचे। वे करीब 40 मिनट तक कार्यक्रम में रहे। इस दौरान 'शिक्षा प्रभा' किताब का विमोचन भी किया।

महाना ने प्रधानाचार्यों और शिक्षाविदों से ईमानदारी से अपनी जिम्मेदारी निभाने की अपील की। कहा कि शिक्षा संस्थान देश के विकास की नींव हैं। अगर संस्थान मजबूत होंगे, तो देश मजबूत होगा।

उन्होंने कहा कि राम मंदिर के लिए दी गई राशि भगवान के चरणों में समर्पित है।

भारत के लिए 4 मुकाबले खेले ■ 25 अगस्त को यूपी लीग में आखिरी मैच खेलेंगे

कर्ण ने क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास लिया

ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी

38 साल के लेग स्पिनर कर्ण शर्मा ने इंटरनेशनल और घरेलू क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास का ऐलान कर दिया। उन्होंने भारत के लिए 1 टेस्ट, 2 वनडे और 1 टी-20 मैच खेला।

कर्ण ने यूपी टी-20 लीग में कानपुर सुपरस्टार्स की ओर से खेलने के बाद यह फैसला लिया। वह 25 अगस्त को लखनऊ के इकाना क्रिकेट स्टेडियम में मेरठ मेवरिक्स के खिलाफ अपना आखिरी मैच खेलेंगे। कर्ण ने 2007-08 सीजन में फर्स्ट क्लास, लिस्ट-A और टी-20 क्रिकेट में डेब्यू किया था। अपने पहले रणजी ट्रॉफी मैच में ही उन्होंने शतक लगाया। 2012-13 सीजन में तीन रणजी मैचों में 21 विकेट लेने के बाद उन्हें BCCI का बेस्ट अंडर-25 क्रिकेटर अवॉर्ड मिला।

उन्होंने घरेलू क्रिकेट में रेलवे, आंध्र और विदर्भ को रिप्रेजेंट किया। फर्स्ट क्लास क्रिकेट में कर्ण ने 97 मैचों में 270 विकेट लिए। लिस्ट-A के 123 मैचों में 153 विकेट और 191 टी-20 मैचों में 168 विकेट उनके नाम हैं।

कर्ण शर्मा IPL में भी खास रिकॉर्ड बना चुके हैं। वह लगातार तीन सीजन में तीन अलग-अलग टीमों के साथ IPL खिताब जीतने वाले पहले खिलाड़ी बने। उन्होंने 2016 में सनराइजर्स हैदराबाद, 2017 में मुंबई इंडियंस और 2018 में चेन्नई सुपर किंग्स के साथ ट्रॉफी जीती।

2021 में उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स के साथ अपना चौथा IPL खिताब भी जीता। उनका आखिरी IPL मैच 2025 में मुंबई इंडियंस के लिए था।

2014 IPL ऑक्शन में सनराइजर्स हैदराबाद ने कर्ण को 3.75 करोड़ रुपए में खरीदा था। उस समय वह IPL ऑक्शन में सबसे महंगे अनकैप्ड भारतीय खिलाड़ी बने थे।

2014 में तीनों फॉर्मेट में इंटरनेशनल डेब्यू

मेरठ के कर्ण ने 2014 में तीनों फॉर्मेट में भारत के लिए डेब्यू किया। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एडिलेड में अपना इकलौता टेस्ट खेला। इस मैच की दोनों पारियों में उन्होंने 2-2 विकेट लिए। इंग्लैंड के खिलाफ बर्मिंघम में उन्होंने एकमात्र टी-20 इंटरनेशनल खेला और जो रूट को आउट किया। 2104 में ही श्रीलंका के खिलाफ उन्होंने दोनों वनडे खेले।

इसके बाद कर्ण को 2015 में जिम्बाब्वे दौरे के लिए भी चुना गया था, लेकिन चोट के कारण वह टीम से बाहर हो गए। इसके बाद उन्हें दोबारा भारत के लिए खेलने का मौका नहीं मिला।

■ कर्ण शर्मा ने चेन्नई सुपर किंग्स के साथ चौथा IPL खिताब जीता।

ईस्ट जोन के उप-कप्तान वैभव सूर्यवंशी 8 रन बनाकर आउट

आज से दलीप ट्रॉफी 2026 का आगाज

पटना, एजेंसी

भारतीय घरेलू क्रिकेट के प्रतिष्ठित टूर्नामेंट दलीप ट्रॉफी 2026 का आगाज आज से हो रहा है। यह टूर्नामेंट का 63वां सीजन है। इसमें 15 साल के वैभव सूर्यवंशी भी खेलते नजर आए।

वैभव को दलीप ट्रॉफी 2026-27 के लिए ईस्ट ज़ोन का उप-कप्तान बनाया गया है। वहीं, ईशान किशन इस सीरीज की कप्तानी कर रहे हैं।

टूर्नामेंट के पहले क्वार्टर फाइनल में आज ईस्ट जोन का सामना नॉर्थ ईस्ट जोन से होगा। यह मुकाबला 9:30 बजे से बेंगलुरु के BCCI सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ग्राउंड 2 में खेला जा रहा है।

उप-कप्तान वैभव सूर्यवंशी 8 रन बनाकर आउट हो गए हैं। उन्होंने 6 बॉल में दो चौके लगाए हैं। उन्हें नॉर्थ ईस्ट जोन के उपकप्तान बिश्वोरजीत कोंथौजाम ने कैच आउट करवाया। जोसेफ लालथानखुमा ने उनका कैच पकड़ा था।

IPL और T20I क्रिकेट में पहचान बना चुके वैभव को रेड-बॉल क्रिकेट में खुद को साबित करने का यह एक मौका है। उन्होंने IPL 2026 में सबसे ज्यादा 776 रन बनाए थे। इसके बाद उन्हें भारत की टी-20 टीम में जगह मिली।

इस टीम में बिहार से मुकेश कुमार और अनुकूल रॉय भी हैं। वहीं, आयुष लोहारूका को स्टैंडबाय खिलाड़ी के रूप में शामिल किया गया है। इसके अलावा टीम में अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी, अभिमन्यु ईश्वरन और शाहबाज अहमद जैसे खिलाड़ी भी हैं।

मैच के दौरान पुर्तगाली फुटबॉलर क्यूविन कास्त्रो की हुई मौत

मैदान पर गिरे, अस्पताल में तोड़ा दम, इंग्लैंड में भी खेल चुके थे

नई दिल्ली, एजेंसी

पुर्तगाल के 25 साल के फुटबॉलर क्यूविन कास्त्रो की मैच के दौरान मैदान पर गिरने के बाद मौत हो गई। वह शनिवार को लिस्बन में प्री-सीजन फ्रेंडली मैच खेल रहे थे।

इस घटना के बाद मैच स्थगित कर दिया गया। लिस्बन फुटबॉल एसोसिएशन ने उनके निधन की पुष्टि की। कास्त्रो पुर्तगाल में चौथे डिवीजन की लीग में खेलने वाली टीम रियल स्पोर्ट क्लब का हिस्सा थे। मुकाबला एस्ट्रेला डि अमाडोरा नाम की टीम से हो रहा था।

कास्त्रो मैच के 22वें मिनट में मैदान पर गिर पड़े। उनके गिरने के बाद मेडिकल टीम ने तुरंत इलाज शुरू किया। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मौत की पुष्टि हुई। कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक, मैदान पर

उन्हें बिजली का झटका देकर होश में लाने की कोशिश भी की गई। कास्त्रो के निधन पर रियल स्पोर्ट क्लब ने शोक जताया। क्लब ने उन्हें अपने खेल परिवार का अभिन्न हिस्सा बताया और कहा कि उनके साथ जुड़े लोगों के दिल में उनकी याद हमेशा रहेगी। एस्ट्रेला दा अमाडोरा ने भी इस घटना पर दुख जताया। दोनों क्लबों ने मैच स्थगित किए जाने के बाद कास्त्रो को श्रद्धांजलि दी। कास्त्रो के पूर्व इंग्लिश क्लब वेस्ट ब्रोमविच एल्बियन ने भी उनके निधन पर शोक जताया है। क्लब ने घोषणा की है कि रविवार को बर्नले के खिलाफ होने वाले मैच के 25वें मिनट में कास्त्रो की याद में तालियां बजाई जाएंगी। खिलाड़ी इस मैच में काली पट्टी भी बांधकर उतरेंगे। कास्त्रो 25 साल के थे। वेस्ट ब्रोम ने कास्त्रो के निधन को बेहद दुखद बताते हुए उनके परिवार और करीबियों के प्रति संवेदना जताई है।

क्यूविन कास्त्रो 2021 में वेस्ट ब्रोम की अकादमी से जुड़े थे। उन्होंने उसी साल आर्सेनल के खिलाफ लीग कप मैच में क्लब की सीनियर टीम के लिए डेब्यू किया था।

मैकॉय में पारी और 51 रन से जीता, स्टार्क ने 10 विकेट लिए

ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश को दूसरा टेस्ट दो दिन में हराया

नई दिल्ली, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया ने मैकॉय में खेले गए दूसरे टेस्ट में बांग्लादेश को पारी और 51 रन से हरा दिया। इसके साथ ही दो टेस्ट की सीरीज 1-1 से बराबर हो गई। डार्विन में पहला टेस्ट 9 विकेट से हारने के बाद ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे मुकाबले में शानदार वापसी की। यह टेस्ट दो दिन में ही खत्म हो गया।

ऑस्ट्रेलिया की जीत के हीरो मिचेल स्टार्क रहे। उन्होंने मैच में 10 विकेट लिए। स्टार्क ने पहली पारी में 6 और दूसरी पारी में 4 विकेट लिए। यह उनके टेस्ट करियर का चौथा 10 विकेट हॉल है। स्टार्क को प्लेयर ऑफ द मैच और सीरीज चुना गया।

बांग्लादेश पहली पारी में सिर्फ 64 रन पर ऑलआउट हो गया था। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 210 रन बनाए। उसे 146 रन की बढ़त मिली। दूसरी पारी में भी बांग्लादेश की टीम 95 रन पर सिमट गई।

ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे दिन 165/8 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। कैमरन ग्रीन 51 रन बनाकर नाबाद थे और नाथन लायन 10 रन पर खेल रहे थे।

■ मिचेल स्टार्क को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

मैच के पहले दिन दोनों टीमों के 18 विकेट गिरे थे। ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी थी। स्टार्क ने मैच की पहली ही गेंद पर शादमान इस्लाम को आउट कर दिया था।

स्टार्क ने दूसरी पारी में भी 4 विकेट लिए

146 रन की बढ़त के बाद बांग्लादेश के सामने मैच बचाने की चुनौती थी। लेकिन स्टार्क ने नई गेंद से एक बार फिर लगातार विकेट लिए। उन्होंने शादमान इस्लाम और मोमिनुल हक को लगातार गेंदों पर आउट किया। इसके बाद पैट कमिंस ने तंजीद हसन को आउट किया।

कप्तान नजमुल हुसैन शांतो ने 31 रन बनाए। उन्होंने कुछ अच्छे शॉट लगाकर ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों का सामना किया। लेकिन नाथन लायन ने उन्हें आउट कर दिया। इसके बाद बांग्लादेश की पारी ज्यादा देर नहीं टिक सकी। स्टार्क ने लिटन दास और तैजुल इस्लाम के विकेट लेकर अपना 10 विकेट का आंकड़ा पूरा किया। पैट कमिंस और नाथन लायन ने भी 3-3 विकेट लिए।

मनोरंजन

फिल्म 'टॉक्सिक' के इवेंट में बड़ा हादसा

भारी साउंड-बॉक्स सेटअप गिरने से दो छात्र घायल, एक लड़की बेहोश, मंच पर मौजूद थे यश

नई दिल्ली। यश की फिल्म 'टॉक्सिक' के प्री-रिलीज इवेंट में शनिवार को हैदराबाद की मल्ला रेड्डी यूनिवर्सिटी में हादसा हो गया। भारी साउंड-बॉक्स सेटअप गिरने से दो छात्र घायल हो गए, जबकि एक लड़की बेहोश हो गई। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। हादसे के समय यश मंच पर मौजूद थे।

आज तक की रिपोर्ट के मुताबिक, कुछ लोग साउंड बॉक्स को सहारा देने वाले पोल पर चढ़ गए थे। इसी दौरान भारी सेटअप अचानक नीचे गिर गया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

बताया जा रहा है कि कई छात्र स्टेज के पास पहुंच गए थे और स्पीकर व अन्य सामान को सहारा देने वाले ढांचों पर चढ़ गए थे। घटना के बाद बड़े फिल्मी कार्यक्रमों में भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा इंतजामों को लेकर सवाल उठे हैं। गौरतलब है कि हैदराबाद में पहले भी फिल्मी इवेंट में सुरक्षा को लेकर गंभीर हादसा हो चुका है। दिसंबर 2024 में 'पुष्पा 2' के

प्रीमियर के दौरान भगदड़ में एक महिला की मौत हो गई थी। उनके बेटे की हालत भी गंभीर हुई थी। पुलिस ने थिएटर मैनेजमेंट पर सुरक्षा में लापरवाही के आरोप लगाए थे।

ऐसे में सवाल है कि बड़े स्टार्स के कार्यक्रमों में भीड़ को संभालने और खतरनाक जगहों पर लोगों को जाने से रोकने के पर्याप्त इंतजाम क्यों नहीं होते? क्या मेकर्स और आयोजकों को पुराने हादसों से सबक नहीं लेना चाहिए?

इवेंट में बड़ी संख्या में जुटी भीड़

हादसे के समय यश मंच पर मौजूद थे और फिल्म टॉक्सिक के जश्न में शामिल लोगों को संबोधित कर रहे थे। हादसे का पता चलते ही उन्होंने अपनी स्पीच बीच में रोक दी और आयोजकों से छात्रों की स्थिति के बारे में पूछा। मंच से यश ने कहा, 'अरे, संभलकर। क्या वहां सब ठीक हैं? सर, कृपया जांच कीजिए। कृपया छात्रों, आप लोग ध्यान रखें।'

हादसे में घायल छात्रों को तुरंत एम्बुलेंस से अस्पताल ले जाया गया। इवेंट के वीडियो भी सामने आए हैं, जिसमें बड़ी संख्या में लोग नजर आ रहे हैं और कुछ लोग घायल छात्रों को एम्बुलेंस की ओर ले जाते दिख रहे हैं।

धुरंधर की कामयाबी पर भावुक हुए रणवीर सिंह

मुश्किल दौर याद कर हुए इमोशनल

नई दिल्ली। 'धुरंधर' की जबरदस्त कामयाबी ने रणवीर सिंह को भावुक कर दिया है। अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह फिल्म को मिले प्यार और सपोर्ट की बात करते हुए भावुक नजर आए। रणवीर ने खास तौर पर अंबानी परिवार और जियो स्टूडियोज का शुक्रिया अदा किया, जिन्होंने फिल्म पर भरोसा जताया।

अपने करियर के इस खास पड़ाव पर रणवीर ने उस समर्थन और प्रोत्साहन को याद किया, जो उन्हें फिल्म के सफर में मिला। वीडियो में उनके चेहरे पर भावुकता साफ नजर आती है। उनके लिए 'धुरंधर' की सफलता सिर्फ बॉक्स ऑफिस की जीत नहीं, बल्कि भरोसे और साथ

की जीत भी है।

रणवीर सिंह ने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए 'धुरंधर' को मिले प्यार पर प्रतिक्रिया दी है। वीडियो में वह फिल्म के सफर और उसे मिले समर्थन की बात करते हुए भावुक दिखाई देते हैं।

रणवीर ने फिल्म को मिले प्यार, समर्थन और प्रोत्साहन के लिए अंबानी परिवार का खास तौर पर आभार जताया।

फूले पेट की तस्वीर शेयर की, पैपराजी से बोलीं- 'तुम लोग पागल कर देते हो'

करीना कपूर ने प्रेग्नेंसी की अफवाहों पर रिएक्शन दिया

नई दिल्ली। करीना कपूर खान ने अपनी प्रेग्नेंसी की अफवाहों पर मजाकिया अंदाज में जवाब दिया।

करीना ने शनिवार को इंस्टाग्राम स्टोरी पर मेकअप आर्टिस्ट मितेश राजानी की एक तस्वीर शेयर की, जिसमें वो अपना फूला हुआ पेट दिखा रहे हैं। पोस्ट के बैकग्राउंड में फिल्म 'हम आपके हैं कौन..!' का गाना 'चॉकलेट लाइम जूस' चल रहा था और इसके साथ हंसने वाले और पिज्जा वाले इमोजी लगाए गए थे। इस पोस्ट से ऐसा लगा कि कुछ लोगों ने जिसे बेबी बंप समझा था, वह असल में 'फूड बेबी' यानी खाने की वजह से निकला पेट हो सकता है। पोस्ट के साथ 'हट ना बे' कैप्शन भी लिखा था।

एक जगह टीम का एक सदस्य करीना के सामने छाता कर देता है, जिससे पैपराजी उन्हें ठीक से नहीं

देख पाते। वीडियो में उनका लुक और कैमरों से बचाने की कोशिश देखकर सोशल मीडिया पर उनकी प्रेग्नेंसी को लेकर चर्चा शुरू हुई। करीना का वीडियो सामने आने के बाद कई फैंस ने कमेंट सेक्शन में सवाल किए। एक व्यक्ति ने लिखा, "एक पल के लिए मुझे लगा कि यह उनका तीसरा बच्चा है।" दूसरे ने पूछा, "क्या वह प्रेग्नेंट हैं?" एक और कमेंट में लिखा गया, "लगता है बेबी बंप है यार।" वहीं, सोशल मीडिया पर प्रेग्नेंसी की अफवाहें फैलने के बाद करीना की टीम ने इंडियन एक्सप्रेस के साथ बातचीत में कहा था कि करीना प्रेग्नेंट नहीं हैं। बता दें कि करीना कपूर खान और सैफ अली खान पहले से दो बेटों के माता-पिता हैं। उनके बेटे तैमूर 9 साल के और जेह अली खान 5 साल के हैं।

वहीं, शनिवार को करीना की ननद सबा अली खान पटौदी ने इंस्टाग्राम पर करीना कपूर की तस्वीर शेयर कर लिखा, "कोई खराब एंगल या बालों का दिन खराब हो सकता है, लेकिन लोग तुरंत इतनी बड़ी बात कैसे मान सकते हैं? वह एयरपोर्ट से बिल्कुल स्टाइलिश, क्लासी और स्लिम नजर आ रही थीं और आज जिम से बाहर निकली हैं।

अफवाहों के बाद पहली बार मुंबई में दिखीं

प्रेग्नेंसी की अटकलें शुरू होने के बाद करीना शनिवार को पहली बार मुंबई में बाहर निकलीं। वह पीली शर्ट और काली पैंट में एक जगह से बाहर आती दिखीं। पैपराजी ने उन्हें घेर लिया। इस दौरान करीना को मजाकिया अंदाज में कहते सुना गया, "पागल कर देते हो तुम लोग।"

दरअसल, करीना की प्रेग्नेंसी की अफवाहें शुक्रवार को शुरू हुई थीं, जब करीना का मुंबई के एक जिम से बाहर निकलते हुए वीडियो सामने आया था। वीडियो में करीना कपूर अपनी कार की ओर जाती दिखीं। उनके साथ उनकी टीम के कुछ सदस्य भी चल रहे थे।

तापसी पन्नू के बयान पर कंगना रनोट भड़कीं

बोलीं- बी-ग्रेड फिल्म के लिए 'सस्ती कॉपी' ने सारी हदें पार कर दीं

नई दिल्ली। तापसी पन्नू के कंगना रनोट से मतभेदों पर दिए बयान के बाद कंगना ने प्रतिक्रिया दी। तापसी ने कहा था कि वह विवाद से पहले या बाद में कभी कंगना से नहीं मिलीं। जिसके बाद कंगना ने तापसी पर उनकी परवरिश और माता-पिता का मजाक उड़ाने का आरोप लगाते हुए उन्हें सस्ती कॉपी कहा।

दरअसल, हाल ही में इंडिया टुडे से बातचीत में तापसी से पूछा गया कि क्या उन्होंने और कंगना ने अपने मतभेद सुलझा लिए हैं। तापसी ने कहा कि वह कंगना से कभी नहीं मिलीं और कथित विवाद शुरू होने से पहले भी उनकी मुलाकात नहीं हुई थी।

तापसी ने आगे कहा कि मेरी उनके बारे में राय मेरी परवरिश, मेरे बात करने के तरीके और चीजों को देखने के नजरिए को दिखाती है। वह अपने नजरिए पर कायम हैं। तापसी के इस

बयान के सामने आने के बाद कंगना ने शनिवार शाम बिना नाम लिए एक पोस्ट शेयर की। उन्होंने लिखा, 'एक सस्ती कॉपी अपनी आने वाली B-ग्रेड फिल्म को लेकर भी हमेशा की तरह मीडिया में सिर्फ हेडलाइन बनाने की कोशिश कर रही है, लेकिन आज उन्होंने सारी हदें पार कर दीं। उन्होंने मेरी परवरिश और मेरे माता-पिता का बेहद बेशर्मी से मजाक उड़ाया।'

बंद घर से रिटायर्ड शिक्षक, पत्नी और बच्चों के शव मिले ■ पुलिस जांच में जुटी

बांग्लादेश-हिंदू परिवार के चार लोगों की संदिग्ध हालात में मौत

जांच

नई दिल्ली, एजेंसी

बांग्लादेश के रंगपुर शहर में एक हिंदू परिवार के चार लोग संदिग्ध हालात में मृत मिले हैं। इनमें रिटायर्ड स्कूल शिक्षक, उनकी पत्नी, बेटी और बेटा शामिल हैं।

चारों के शव शनिवार रात एक बंद घर से मिले। पुलिस, CID और डिटेक्टिव ब्रांच ने जांच शुरू कर दी है। मृतकों की पहचान गणपति चक्रवर्ती (65), पत्नी प्रीतिलता चक्रवर्ती (50), बेटी आगमी चक्रवर्ती प्रार्थी (23) और बेटे प्रियम चक्रवर्ती (12) के रूप में हुई है। गणपति रंगपुर जिला स्कूल में शिक्षक थे और पिछले साल 31 दिसंबर को रिटायर हुए थे। रिटायरमेंट के बाद वे होम्योपैथी का काम भी कर रहे थे। रंगपुर मेट्रोपॉलिटन कोतवाली थाने के प्रभारी अधिकारी नजमुल कादेर के मुताबिक, पुलिस के साथ CID और डिटेक्टिव ब्रांच भी मामले की जांच कर रही हैं। फोरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल से सबूत जुटाए हैं। फिलहाल पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि चारों की मौत कब और कैसे हुई और इसके पीछे क्या वजह थी। मौत का सही कारण और घटना का पूरा क्रम अभी सामने नहीं आया है। पुलिस मामले की सभी पहलुओं से जांच कर रही है।

■ रिटायर्ड शिक्षक गणपति और उनके परिवार के शव बंद घर से बरामद हुए हैं।

गणपति की बेटी आगमी ने इसी साल अंग्रेजी में मास्टर्स की डिग्री पूरी की थी। उनका 12 साल का बेटा प्रियम 5वीं कक्षा में पढ़ता था।

चारों के शव घर में अलग-अलग जगह मिले

रंगपुर मेट्रोपॉलिटन CID के अधिकारी सुबीर चौधरी के मुताबिक, गणपति का शव छत पर, उनकी पत्नी और बेटी के शव सीढ़ियों के पास मिले। वहीं 12 साल के बेटे प्रियम का शव बिस्तर के नीचे मिला। परिजनों ने बताया कि उन्हें नहीं पता कि परिवार को किसने और क्यों निशाना बनाया। गणपति की भतीजी सोमा चक्रवर्ती ने कहा कि उनके चाचा का किसी से विवाद या दुश्मनी नहीं थी। परिवार ने दासपाड़ा में नया घर बनाया था और वहीं रह रहा था।

■ परिवार के चारों सदस्यों की मौत के बाद परिजन का रो-रोकर बुरा हाल है।

गुरुवार से परिवार से संपर्क नहीं हुआ, फोन बंद थे

परिजनों के मुताबिक, प्रीतिलता की छोटी बहन पूजा चक्रवर्ती ने उनसे गुरुवार दोपहर आखिरी बार बात की थी। इसके बाद गुरुवार रात से परिवार के चारों मोबाइल फोन बंद हो गए।

शनिवार रात परिजन रंगपुर के दासपाड़ा इलाके में उनके घर पहुंचे। घर का मुख्य गेट बंद था और अंदर की सभी लाइटें भी बंद थीं।

इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने घर का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया और चारों के शव बरामद किए।

ट्रक पर टैरिफ में राहत की मांग पर अड़ा कनाडा

अमेरिका के साथ ट्रेड डील अटकी

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका और कनाडा के बीच जारी व्यापार वार्ता शुक्रवार को अचानक रोक दी गई। इस असफलता का मुख्य कारण कनाडा के मध्यम और भारी वाहनों पर अमेरिकी टैरिफ घटाने को लेकर अंतिम समय में पैदा हुआ गतिरोध रहा। अमेरिका और कनाडा ऐसे सौदे की रूपरेखा पर काम कर रहे थे, जिसके तहत ऑटो, स्टील, एल्युमी-नियम और लकड़ी पर अमेरिकी क्षेत्रीय शुल्क कम किए जाने थे। हालांकि, प्राइवेट वार्ताओं से जुड़े सूत्रों के अनुसार, बड़े वाहनों के कैटेगरी को लेकर दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए।

शुक्रवार देर रात फोन पर हुई बातचीत में कनाडाई पक्ष ने भारी वाहनों के लिए अतिरिक्त राहत पर जोर दिया, जिससे अमेरिकी पक्ष ने इनकार कर दिया।

प्रस्तावित सौदे के तहत सामान्य ऑटो टैरिफ को मौजूदा 25% से घटाकर 15% किया जाना था। कनाडा चाहता था कि यह छूट मध्यम और भारी वाहनों तक भी बढ़ाई जाए, जिनमें बड़े पिकअप ट्रक से लेकर कमर्शियल वाहन शामिल हैं। कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कहा कि ट्रकों को राहत से बाहर रखना एक बड़ा बदलाव है। इसके बिना ओंटारियो में फोर्ड का नया संयंत्र, जो F-350 और बड़े पिकअप ट्रकों का निर्माण करता है, बिना किसी तार्किक कारण के छूट से बाहर हो जाता।

फास्ट न्यूज

अपहरण, जबरन धर्म परिवर्तन और बाल विवाह

वॉशिंगटन। पाकिस्तान के पहले कैथोलिक संघीय अल्पसंख्यक मंत्री और धार्मिक स्वतंत्रता के बड़े समर्थक शाहबाज भट्टी की हत्या के 15 साल बाद भी ईसाई, हिंदू और अहमदी जैसे अल्पसंख्यक समुदायों को देश भर में भेदभाव और पूजा स्थलों पर हमलों का सामना करना पड़ रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार, इन अत्याचारों में अपहरण, जबरन धर्म परिवर्तन और बाल विवाह के साथ-साथ देश के ईशनिंदा कानूनों का गलत इस्तेमाल भी शामिल है।

नेपाल में तीन साल की मासूम की दुष्कर्म के बाद हत्या

काठमांडू। नेपाल में तीन साल की बच्ची से दुष्कर्म और हत्या मामले को लेकर लोग भड़क उठे हैं। उन्होंने लगातार चौथे दिन सिमारा के बिरगंज-पथलैया रोड सेक्शन को जाम कर दिया।

बच्ची मधेस प्रांत के भक्तिनगर की रहने वाली थी। वह 18 अगस्त को घर के पास मृत पाई गई। तीन दिन पहले लापता हो गई थी। पुलिस ने बताया कि स्थानीय लोगों ने बच्ची के लिए न्याय की मांग करते हुए सिमारा के बीरगंज-पथलैया सेक्शन में धरना दिया।

पुलिस को शक है कि दुष्कर्म के बाद बच्ची की हत्या की गई।

नेपाल में तीन साल की मासूम की दुष्कर्म के बाद हत्या

काठमांडू। नेपाल में तीन साल की बच्ची से दुष्कर्म और हत्या मामले को लेकर लोग भड़क उठे हैं। उन्होंने लगातार चौथे दिन सिमारा के बिरगंज-पथलैया रोड सेक्शन को जाम कर दिया। बच्ची मधेस प्रांत के भक्तिनगर की रहने वाली थी। वह 18 अगस्त को घर के पास मृत पाई गई। तीन दिन पहले लापता हो गई थी। पुलिस ने बताया कि स्थानीय लोगों ने बच्ची के लिए न्याय की मांग करते हुए सिमारा के बीरगंज-पथलैया सेक्शन में धरना दिया।

अमेरिका में भारतीय मूल के कारोबारी की हत्या

19 साल की बेटी के सामने लुटेरे ने पिता को गोली मारी

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका में भारतीय मूल के कारोबारी सुरेश पटेल की गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना 20 अगस्त को टेनेसी राज्य के जैक्सनविले शहर में हुई।

फायरिंग के समय सुरेश पटेल की 19 साल की बेटी भी दुकान में मौजूद थी। उसने अपनी आंखों के सामने यह वारदात देखी। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

पुलिस के मुताबिक, एक नकाबपोश बदमाश पैसे लूटने के इरादे से दुकान में घुसा था। कैश लेने के बाद उसने सुरेश पटेल पर फायरिंग कर दी। गोलीबारी के दौरान दुकान का एक कर्मचारी भी घायल हुआ था। सुरेश पटेल गुजरात के मेहसाणा जिले के आखज गांव के रहने वाले थे। वे लगभग 30 साल से अमेरिका में रह रहे थे।

स्थानीय मीडिया के मुताबिक, सुरेश पटेल ने घटना से सिर्फ 3 दिन पहले ही यह दुकान खरीदी थी।

वहां मौजूद लोगों के मुताबिक, एक नकाबपोश व्यक्ति दुकान में घुसा और कर्मचारियों से कैश की मांग की। पैसे मिलने के बाद उसने कई राउंड फायरिंग की।

पुलिस ने बताया कि आरोपी ने ग्रे रंग की हुडी, जींस और काले बूट पहन रखे थे। उसके चेहरे पर मास्क था। वारदात के बाद वह सफेद रंग की कार में बैठकर फरार हो गया।

पुलिस को इस घटना से जुड़ा CCTV फुटेज मिला है। पुलिस ने लोगों से आरोपी के बारे में जानकारी देने की अपील भी की है।

13 दिन चलेगा भारतीय संस्कृति उत्सव ■ पेरिस से 30 किमी दूर बना

फ्रांस के पहले बीएपीएस हिंदू मंदिर का उद्घाटन सितंबर में

फ्रांस, एजेंसी

फ्रांस में पेरिस से करीब 30 किमी दूर बुसी-सेंट-जॉर्जेस में बने BAPS स्वामीनारायण हिंदू मंदिर का सितंबर 2026 में उद्घाटन होगा। इसे फ्रांस का पहला बड़ा हिंदू मंदिर बताया जा रहा है। उद्घाटन के साथ 2 से 14 सितंबर तक 13 दिन का 'फेस्टिवल ऑफ कल्चर' आयोजित होगा। इसमें हिंदू परंपराओं, भारतीय कला, संगीत और संस्कृति से जुड़े कार्यक्रम होंगे। लोगों को भारतीय संस्कृति को करीब से जानने और समझने का मौका मिलेगा।

मंदिर सिर्फ पूजा की जगह नहीं होगा। यहां सांस्कृतिक और सामुदायिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। उद्घाटन और उत्सव में भारतीय मूल के लोगों के साथ हिंदू समुदाय और भारतीय संस्कृति में रुचि रखने वाले लोगों के शामिल होने की उम्मीद है।

BAPS पेरिस की वेबसाइट के मुताबिक, फ्रांस में हिंदू मंदिर बनाने का आइडिया 1970 में आया था। इसके करीब 25 साल बाद, 1995 में पेरिस में मंदिर बनाने की योजना पर काम आगे बढ़ा। 2017 में बुसी-सेंट-जॉर्जेस में मंदिर के लिए जमीन मिली। इसके बाद 2021 में निर्माण की प्रक्रिया आगे बढ़ी। करीब 56 साल बाद अब 2026 में मंदिर बनकर तैयार है।

भारत में तराशे गए पत्थरों से बना मंदिर

पेरिस के पास बने BAPS स्वामीनारायण मंदिर में भारत से लाए गए खास पत्थरों का इस्तेमाल किया गया है। इन्हें भारत में करीब 1,000 साल पुरानी नक्काशी की तकनीकों से तैयार किया गया है। कई हिस्सों पर कारीगरों ने हाथ से बारीक नक्काशी की है।

भारत में तैयार किए गए इन पत्थरों को फ्रांस लाकर मंदिर में लगाया गया। इस काम में भारतीय कारीगरों के साथ फ्रांस के विशेषज्ञ भी शामिल रहे। इनमें नोट्रे-डाम कैथेड्रल की मरम्मत से जुड़े कारीगर भी थे। इस तरह मंदिर में भारतीय शिल्पकला और फ्रांस की आधुनिक निर्माण तकनीक का मेल देखने को मिलता है। मंदिर की संरचना में गुंबद, स्तंभ और शिखर जैसी पारंपरिक हिंदू वास्तुकला शामिल है।

बोचासनवासी अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था यानी BAPS स्वामीनारायण परंपरा से जुड़ी एक वैश्विक हिंदू संस्था है।

उसने बातचीत में धोखा दिया, ट्रम्प ने एक बार फिर होर्मुज को अमेरिकी इलाका बताया

होर्मुज तभी खुलेगा, जब अमेरिका अपना रवैया सुधारेगा : ईरान

तेहरान, एजेंसी

■ तस्वीर ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के चीफ मोहसिन रेजाई की है।

ईरान ने कहा है कि होर्मुज स्ट्रेट तभी खोला जाएगा, जब अमेरिका अपना रवैया सुधारेगा और किए गए वादे पूरे करेगा। ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के चीफ मोहसिन रेजाई ने आरोप लगाया कि अमेरिका ने बातचीत में धोखा दिया है।

रेजाई ने कहा कि अमेरिका पहले अपनी जिम्मेदारियां पूरी करे, उसके बाद ही होर्मुज खोलने पर बात होगी। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान अमेरिकी आर्थिक दबाव के आगे नहीं झुकेगा।

इसी बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने फिर एक तस्वीर शेयर की, जिसमें होर्मुज स्ट्रेट को 'न्यू यूएस टेरिटरी' यानी नया अमेरिकी इलाका बताया गया है। ट्रम्प इससे पहले 18 अगस्त को भी होर्मुज को अमेरिकी क्षेत्र घोषित करने की बात कह चुके हैं। ईरान ने ट्रम्प के इस दावे को खारिज किया है। होर्मुज स्ट्रेट का उत्तरी हिस्सा ईरान के पास है, जबकि दक्षिणी हिस्सा ओमान के मुसंदम क्षेत्र से लगता है। फारस की खाड़ी से निकलने वाले जहाज इसी रास्ते से अरब सागर और फिर हिंद महासागर की ओर जाते हैं। इसी वजह से होर्मुज स्ट्रेट सिर्फ एक देश का नहीं, बल्कि कई देशों के लिए अहम समुद्री मार्ग है। अमेरिका यहां अपने युद्धपोत और नौसैनिक बल तैनात रखता है ताकि समुद्री व्यापार और अपने सहयोगी देशों की सुरक्षा सुनिश्चित कर सके। खाड़ी देशों से दुनिया को भेजे जाने वाले करीब 20% कच्चे तेल और बड़ी मात्रा में प्राकृतिक गैस की आपूर्ति होर्मुज स्ट्रेट से होती है।

रेजाई बोले- ट्रम्प के हमले से परमाणु हथियारों की होड़ बढ़ सकती है

रेजाई ने कहा कि ट्रम्प के ईरान पर हमले से दुनिया में परमाणु हथियारों को लेकर डर और बढ़ गया है। उनका कहना है कि अब दूसरे देशों को भी लग सकता है कि बिना परमाणु हथियार के वे सुरक्षित नहीं हैं। रेजाई ने कहा कि ईरान परमाणु अप्रसार संधि (NPT) का सदस्य है और अंतरराष्ट्रीय नियमों के मुताबिक अपने परमाणु कार्यक्रम की जांच भी कराता रहा है। इसके बावजूद अमेरिका ने उस पर हमला किया। उन्होंने कहा कि इससे दुनिया के दूसरे देशों में परमाणु हथियार हासिल करने की इच्छा बढ़ सकती है। रेजाई के मुताबिक, अमेरिका की कार्रवाई ने परमाणु सुरक्षा मजबूत करने के बजाय उल्टा खतरा बढ़ा दिया है।

> **अमेरिका और इजराइल के साथ तनाव के बीच हुए समझौते में ईरान ने एक भी शर्त नहीं छोड़ी है। उनके मुताबिक, ईरान की सुरक्षा परिषद में सभी पक्षों ने इस समझौते को सही रास्ता माना था।**

एआई भारत में नौकरियां छीनने से ज्यादा दे रहा

नोमुरा रिपोर्ट में दावा- सीनियर कर्मचारियों की डिमांड बढ़ी

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत में AI नौकरियां खत्म करने की तुलना में नए रोजगार के ज्यादा अवसर पैदा कर रहा है। हालांकि, तकनीकी बदलाव की वजह से नौकरी की शुरुआत करने वाले फ्रेशर्स और युवाओं को एंट्री-लेवल पर कड़े मुकाबले और दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। यह दावा नोमुरा ने हाल ही में पब्लिश एक रिपोर्ट में किया है।

AI के कारण सबसे ज्यादा नुकसान फ्रेशर्स को हो रहा है, क्योंकि एंट्री-लेवल की नौकरियां तेजी से कम हो रही हैं।

भारत की 651 आईटी कंपनियों के सर्वे में सामने आया है कि 55% कंपनियों ने फ्रेशर्स की भर्तियां घटा दी हैं। इसके मुकाबले सीनियर पदों पर सिर्फ 14% कंपनियों ने ही हायरिंग कम की है।

नोमुरा ने बाजार में आ रहे बदलाव को K-शेप्ड स्प्लिट का नाम दिया है। यानी रोजगार के लिए बाजार दो हिस्सों में बंट गया है। एक तरफ फ्रेशर्स की मांग लगातार गिर रही है, तो दूसरी तरफ अनुभवी सीनियर लोगों की पूछ बढ़ गई है। कंपनियों को अब मैनेजमेंट और बिजनेस की गहरी समझ रखने वाले लोग चाहिए। दक्षिण कोरिया में जिन सेक्टर में सबसे ज्यादा AI का इस्तेमाल हुआ वहां ऐसा ही ट्रेंड दिखने को मिला है।

कंपनियां अब पुराने कर्मचारियों को नौकरी से निकालने के बजाय नए लोगों को नौकरी पर रखना ही बंद कर रही हैं।

लक्ष्य : पीएम से मिले स्पेस स्टार्टअप्स के फाउंडर्स ने बताए प्लान, स्काईरूट हर महीने रॉकेट लॉन्च करेगी

भारत की स्पेस में पेट्रोल-पंप लगाने दवाइयां बनाने की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी

अंतरिक्ष में पेट्रोल पंप, कचरा हटाने वाले रोबोट और हवा में तैरती दवाइयां। भारत का स्पेस सेक्टर अब फिल्मों में दिखने वाली टेक्नोलॉजी सच करने पर काम कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के 20 स्पेस स्टार्टअप्स फाउंडर्स से खास बातचीत की।

पीएम ने भरोसा दिलाया कि सरकार उद्यमियों का हाथ कभी नहीं छोड़ेगी। रिस्क लेने वालों को पूरा सपोर्ट मिलेगा। ये बातचीत 21 अगस्त को की गई थी, लेकिन वीडियो आज 23 अगस्त को रिलीज किया गया है।

जैसे सड़क पर गाड़ी का पेट्रोल खत्म होने पर हम पंप पर जाते हैं, वैसे ही अंतरिक्ष में सैटेलाइट्स का ईंधन खत्म हो जाता है। एक भारतीय कंपनी ऐसी तकनीक बना रही है, जो हवा में ही उड़ती हुई सैटेलाइट्स से जुड़कर उनमें दोबारा पेट्रोल-डीजल की तरह ईंधन भर देगी।

वहीं जब धरती पर कोई दवा बनाई जाती है, तो गुरुत्वाकर्षण के खिंचाव के कारण उसके केमिकल्स और प्रोटीन ठीक से मिक्स नहीं हो पाते या नीचे बैठने लगते हैं। इसके उलट, अंतरिक्ष में दवाइयां और प्रोटीन बिना किसी खिंचाव के शुद्ध रूप में आपस में मिलते हैं। इससे दवाइयों के बनने का तरीका बेहद सटीक और साफ होता है। इस पर पीएम मोदी ने कहा कि भारत को एक ऐसा माहौल बनाना चाहिए कि पूरी दुनिया का टैलेंट स्पेस सेक्टर में करियर बनाने के लिए भारत का रुख करे। भारतीय टैलेंट पूल दुनिया के वैज्ञानिकों को अपनी तरफ खींचने वाले मैग्नेट की तरह काम कर सकता है।

स्पेस सेक्टर को प्राइवेट प्लेयर्स के लिए खोले जाने के बाद एक नया ग्लोबल ट्रेंड दिख रहा है। अमेरिका और यूरोप में काम करने वाले भारतीय इंजीनियर्स अब अपनी नौकरियां छोड़कर भारत लौट रहे हैं और देश के स्पेस स्टार्टअप्स से जुड़ रहे हैं।

स्काईरूट का हर महीने रॉकेट लॉन्च करने का लक्ष्य

स्काईरूट ने पीएम मोदी को बताया कि 18 जुलाई को भारत के पहले प्राइवेट रॉकेट से सैटेलाइट्स को कामयाबी के साथ ऑर्बिट में स्थापित किया था। कंपनी ने अब तक 3 फैक्ट्रियां तैयार कर ली हैं, जिनमें हर महीने एक रॉकेट बनाने की क्षमता है। कंपनी की योजना हर महीने एक रॉकेट लॉन्च करने की है। इसके बाद का लक्ष्य हर हफ्ते एक और भविष्य में हर दिन कई रॉकेट लॉन्च करने का है।

न्यूयॉर्क में पंजाब के 28 साल के युवक की हत्या

पिज्जा डिलीवरी के दौरान मारी गोली

न्यूयॉर्क, एजेंसी

अमेरिका में पंजाब के एक युवक की मौत का दुखद मामला सामने आया है। न्यूयॉर्क शहर में पिज्जा डिलीवरी के दौरान 28 वर्षीय गुरदीप सिंह की एक अज्ञात शूटर ने गोली मारकर हत्या कर दी। पंजाब के बेगोवाल स्थित उनके गांव के लोग इस घटना से गहरे सदमे में हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, गुरदीप सिंह 13 साल पहले लोन लेकर अमेरिका गया था। वह वहां कमाई करके भारत में अपने माता-पिता के लिए बेहतर भविष्य बनाना चाहता था।

गुरदीप सिंह के पिता प्यारा लाल ने बताया कि उनके बेटे ने अमेरिका जाने के लिए भारी कर्ज लिया था, लेकिन वहां पहुंचने के बाद उसे लंबे समय तक कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा। लाल ने कहा कि उसने अपने परिवार को बेहतर जिंदगी देने के लिए दिन-रात काम किया।

शक है कि यह हमला लूट की कोशिश में किया गया। न्यूयॉर्क शहर की पुलिस के मामले की जांच करने के बाद ही इस बारे में और जानकारी मिल पाएगी। जैसे ही उसकी मौत की खबर आई जबोवाल गांव में शोक की लहर दौड़ गई। परिवार के सदस्य गहरे सदमे में थे और उन्हें सांत्वना देना मुश्किल हो रहा था। गुरदीप सिंह के परिवार में पिता और एक भाई है। उन्होंने सरकार से अनुरोध किया है कि उनके शव को जल्द से जल्द भारत लाने में मदद की जाए।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96